



नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com



वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

बाहें खोलकर भारत ने किया दुनिया का स्वागत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोदी ने विश्वास व्यक्त किया-जी 20 शिखर सम्मेलन मानव-केंद्रित और समावेशी विकास में एक नया रास्ता तय करेगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दो दिवसीय जी20 शिखर सम्मेलन शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में शुरू होने वाला है। भारत ने शुक्रवार को आने वाले राष्ट्राध्यक्षों और प्रतिनिधिमंडलों के साथ पूरी दुनिया का दोनों बाहें खोलकर स्वागत किया। हवाई अड्डे पर पारंपरिक नृत्य और सांस्कृतिक प्रदर्शन के साथ उनका जोरदार खैरमकदम किया गया। भारत के पास इस वर्ष के लिए जी20 की अध्यक्षता है और वह उस क्षमता में इस मेगा इवेंट की मेजबानी कर रहा है। विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए 41 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष और प्रतिनिधिमंडल दो दिनों तक यहां एकत्रित होंगे।

भारत की जी 20 की अध्यक्षता का मुख्य विषय 'वसुधैव कुटुम्बकम्- एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, जर्मन चांसलर ओलाफ स्कॉल्ट्ज, फ्रांसीसी राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रॉन, ब्रिटिश प्रधान मंत्री रीषि सुनक, जापानी प्रधान मंत्री फुमियो किशिदा, कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो और जी20 समूह के अन्य नेताओं के साथ-साथ कई प्रमुख विश्व निकायों के प्रमुख शिखर

● तीन दिनों में पीएम विश्व नेताओं के साथ 15 से अधिक द्विपक्षीय बैठक करेंगे, 41 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष और प्रतिनिधिमंडल दो दिनों तक यहां एकत्रित होंगे

● भारत की जी 20 की अध्यक्षता का मुख्य विषय 'वसुधैव कुटुम्बकम्- एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' है

सम्मेलन में भाग लेने के यहां पहुंचे हैं। इनमें अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के प्रमुख मुख्य हैं। जी20 के सदस्य देश वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 85 प्रतिशत, वैश्विक व्यापार का 75 प्रतिशत से अधिक और विश्व जनसंख्या का लगभग दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करते हैं। समूह में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, बाजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी



नई दिल्ली में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन। दोनों नेताओं ने देर शाम द्विपक्षीय वार्ता की। राष्ट्रपति बाइडन जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने भारत आए हैं।

अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूके, अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) शामिल हैं। हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम की व्यस्तता को देखते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार से शुरू होने वाले तीन दिनों में विश्व नेताओं के साथ 15 से अधिक द्विपक्षीय

बैठकें करेंगे। शिखर सम्मेलन के लिए माहौल तैयार करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को विश्वास व्यक्त किया कि यह मानव-केंद्रित और समावेशी विकास में एक नया रास्ता तय करेगा। महात्मा गांधी का उल्लेख करते हुए, उन्होंने एक्स पर कहा कि

वर्चिता, कतार के अंतिम व्यक्ति की सेवा करने के उनके मिशन का अनुकरण करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि उन्होंने प्रगति को आगे बढ़ाने के मानव-केंद्रित तरीके पर भारत के जोर देने की विशेषता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हम सतत

भविष्य के लिए एसडीजी, हरित विकास समझौते की प्रगति में तेजी लाना चाहते हैं और 21वीं सदी के लिए बहुपक्षीय संस्थानों को मजबूत करना चाहते हैं। हम तकनीकी परिवर्तन और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे जैसे भविष्य के क्षेत्रों को अत्यधिक प्राथमिकता देते हैं। हम लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने के लिए भी सामूहिक रूप से काम करेंगे। महिला सशक्तिकरण और विश्व शांति सुनिश्चित करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे सांस्कृतिक लोकाचार में निहित, भारत की जी 20 प्रेसीडेंसी थीम, 'वसुधैव कुटुम्बकम्- एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य', हमारे विश्व दृष्टिकोण से गहराई से मेल खाती है कि पूरी दुनिया एक परिवार है। महात्मा गांधी का आह्वान करते हुए, उन्होंने एक्स पर कहा कि वर्चिता, कतार के अंतिम व्यक्ति की सेवा करने के उनके मिशन का अनुकरण करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि उन्होंने प्रगति को आगे बढ़ाने के मानव-केंद्रित तरीके पर भारत के महान जोर को रेखांकित किया। मोदी ने कहा कि भारत की जी20 अध्यक्षता समावेशी, महात्मागांधी, निर्णायक और कारगर-उन्मुख रही है। हमने वैश्विक

दक्षिण की विकासवादी चिंताओं को सक्रिय रूप से आवाज दी है। यह देखते हुए कि यह भारत द्वारा आयोजित किया जा रहा पहला जी 20 शिखर सम्मेलन है, उन्होंने कहा कि भारत सप्ताहांत में प्रतिष्ठित भारत मंडप में 18वें शिखर सम्मेलन की मेजबानी करके प्रसन्न है। उन्होंने कहा कि यह मेरा दृढ़ विश्वास है कि नई दिल्ली जी20 शिखर सम्मेलन मानव-केंद्रित और समावेशी विकास में एक नया रास्ता तय करेगा। मोदी ने कहा कि वह 'एक पृथ्वी, एक परिवार' और 'एक भविष्य' पर सत्र की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें विश्व समुदाय के लिए प्रमुख चिंता के कई मुद्दे शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इनमें मजबूत, टिकाऊ, समावेशी और संतुलित विकास को आगे बढ़ाना शामिल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह मित्रता और सहयोग के बंधन को और गहरा करने के लिए कई नेताओं और प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि हमारे मेहमान भारतीय आतिथ्य की गर्मजोशी का आनंद लेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार को रात्रिभोज की मेजबानी करेंगी। मोदी ने कहा, 10 सितंबर को नेता

राजघाट पर गांधी जी को श्रद्धांजलि देंगे। उसी दिन समापन समारोह में, जी20 नेता 'वन फ्यूचर' की तरह एक स्थायी और न्यायसंगत 'वन फ्यूचर' के लिए अपने सामूहिक दृष्टिकोण को साझा करेंगे। इस बीच, भारत ने शुक्रवार को कहा कि नई दिल्ली लीडर्स डिक्लरेशन लगभग तैयार है और वार्ताकार आम सहमति की ओर बढ़ रहे थे।

रूस-यूक्रेन युद्ध और जलवायु-संबंधित मुद्दों जैसे अटकलें हटाने के लिए बंदूकों की बारीकियों में जाने से बचते हुए, भारत के शीर्ष जी20 अधिकारियों ने यहां एक पूर्व-शिखर सम्मेलन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वे आम सहमति से एक संयुक्त बयान हासिल करने को लेकर आशावादी हैं। विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने यूक्रेन संघर्ष पर नई दिल्ली घोषणा पर सहमति बनाए रखने पर एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत को उम्मीद है कि सभी जी20 सदस्य आम सहमति की ओर बढ़ेंगे और हमें विज्ञापित पर आम सहमति की उम्मीद है। जी20 ब्लॉक में अफ्रीका संघ को शामिल करने पर क्वात्रा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि शनिवार से शुरू होने वाली शिखर बैठक की कार्यवाही इस पर (शेष पेज 9)

लोकतंत्र में विपक्ष को वैश्विक नेताओं संग रात्रि भोज में नहीं मिला आमंत्रण

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

शनिवार को विश्व नेताओं के लिए जी20 स्थल पर आयोजित भव्य रात्रिभोज के लिए सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों और निवर्तमान मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित किए जाने के साथ, देश के प्रमुख विपक्षीय दल के नेता, कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे को प्रोटोकॉल की सूची में 'बायपास' कर दिया गया है। खड़गे प्रोटोकॉल के मामले में भी महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं क्योंकि रायसभा में विपक्ष के नेता हैं, जो कि संसद का ऊपरी सदन है, एक केंद्रीय मंत्री दर्जे के बराबर हैं और एक संवैधानिक पद रखते हैं।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि विपक्ष को शिखर सम्मेलन के लिए निमंत्रण नहीं दिया जाना देश के लोकतांत्रिक ताने-बाने पर हमला है। इस बीच खड़गे चुनाव संबंधी रैलियों के लिए छत्तीसगढ़ में हैं। आमंत्रितों की सूची में खड़गे का नाम नहीं होने की गूंज देश के बाहर भी सुनाई दी और पूर्व कांग्रेस प्रमुख राहुल

● प्रमुख विपक्षीय दल के नेता कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे को जी 20 नेताओं के साथ रात्रिभोज में न आमंत्रित किए जाने पर विवाद

● राष्ट्रपति मुर्मू आज विश्व नेताओं के जी20 शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल भारत मंडप में रात्रिभोज की करेंगी मेजबानी

गांधी ने बेल्जियम के ब्रसेल्स में अंतरराष्ट्रीय मीडिया के साथ बातचीत करते हुए मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि वह भारत की 60 प्रतिशत आबादी के नेताओं को महत्व नहीं देती



छत्तीसगढ़ में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे। इस दौरान कांग्रेस नेता ने भाजपा पर जमकर हमला बोला।

है। जी-20 रात्रिभोज के निमंत्रण में मुर्मू 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' के रूप में वर्णित की पारंपरिक 'प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया' किए जाने के बाद पहले दिन से ही

विवाद खड़ा हो गया है। मुर्मू शनिवार को विश्व नेताओं के जी20 शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल भारत मंडप में रात्रिभोज की मेजबानी करेंगी। शनिवार को होने वाले रात्रिभोज में सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों समेत सभी कैबिनेट और राज्य मंत्रियों को आमंत्रित किया गया है। अन्य विपक्षीय दलों के प्रमुखों के साथ-साथ संसद में सदन के नेताओं को भी निमंत्रण नहीं मिला है।

हालांकि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और एचडी देवगौड़ा को निमंत्रण दिया गया है लेकिन वे 'स्वास्थ्य कारणों' के चलते जी20 रात्रिभोज में शिरकत नहीं करेंगे। टीएमसी सुप्रियो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति की पुष्टि की है। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के भी जी20 रात्रिभोज में शामिल होने की संभावना है। सभी भाजपा शासित राज्यों के प्रमुखों के अलावा, जिन लोगों की पुष्टि की गई है

बीजेपी ने पहले राहुल को नामित किया था

भाजपा राहुल पर पहले भी हमला चुकी है। गांधी को 'वर्तमान भारतीय राजनीति का मीर जाफर' कह चुकी है, जो भारत में 'नवाब' बनने के लिए विदेशी ताकतों से मदद मांगने के लिए विदेश गए थे। सत्तारूढ़ दल ने यह भी कहा था कि गांधी परिवार ने विदेशों में भारत के बारे में अपनी टिप्पणियों से भारत का अपमान दिया गया है लेकिन वे 'स्वास्थ्य कारणों' पर यूरोपीय संसदों की प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर, राहुल ने जवाब दिया कि वे बहुत चिंतित थे और उन्हें लगा कि निश्चित रूप से भारत की लोकतांत्रिक संरचनाओं को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बृहस्पतिवार को ब्रसेल्स में यूरोपीय संसद के कुछ सदस्यों के साथ बंद कमरे में बैठक की।

उनमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन

भी रात्रिभोज में शामिल होंगे। सबसे पुरानी पार्टी ने रात्रिभोज के लिए खड़गे को शामिल न किए जाने पर आपत्ति जताई है और संभावना है कि कांग्रेस शासित राज्यों कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के मुख्यमंत्री भारत मंडप में रात्रिभोज का हिस्सा बनने से बचेंगे।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि जब दिल्ली जी20 सुरक्षा के लिए नो फ्लाइंग जोन है तो वह रात्रिभोज में कैसे शामिल हो सकते हैं। वहीं राहुल ने कहा कि जी20 एक 'अच्छी बात' है, लेकिन सबसे बड़ी विपक्षीय पार्टी को निमंत्रण न दिया जाना सरकार की सोच को दर्शाता है। राहुल गांधी इस समय तीन यूरोपीय देशों बेल्जियम, फ्रांस और नॉर्वे के दौर पर हैं। वायनाड से लोकसभा सांसद हैं तो भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कहा कि भारत के लोकतांत्रिक संस्थानों पर 'हमला' हो रहा है। राहुल ने रूस-यूक्रेन संघर्ष सहित कई विषयों विचार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्व इस मुद्दे पर सरकार को वर्तमान स्थिति से सहमत है।

जी20 शिखर सम्मेलन: कड़े यातायात प्रतिबंधों के चलते सड़कों पर पसर सज्जाटा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जी20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर कड़े यातायात नियम लागू होने के कारण, नई दिल्ली जिले के अंतर्गत आने वाले इलाके शुक्रवार को खाली सड़कों के साथ सुनसान दिखे और यहां तक? कि प्रमुख स्थल-बंगाली मार्केट, खान मार्केट, कर्नाट प्लेस भी आगंतुकों के बिना थे। नई दिल्ली जिले के बंद का असर पूरी दिल्ली में दिखाई दिया और सड़कें खाली रहीं। नई दिल्ली जिले को शुक्रवार को एक तरह से लॉकडाउन के तहत रखा गया, जिसमें सभी बाजार बंद, सड़कें सुनसान और चारों ओर पुलिस बैरिकेड्स दिखे, साथ ही सुरक्षा की भारी तैनाती भी की गई है।

आधिकारिक बंदी बृहस्पतिवार आधी रात से लागू हो गई थी। बंगाली मार्केट, कर्नाट प्लेस, केंद्रीय सचिवालय, डिप्लोमैटिक एम्बलेव, शांति निकेतन और खान मार्केट जैसी जगहों पर स्टर, रेस्तरां, दुकानें और यहां तक? कि आवश्यक/किरणों की दुकानें भी बंद रहीं। अधिकारियों ने फेरीवालों को बृहस्पतिवार से ही दुकानें बंद करने का आदेश दे दिया था। नई दिल्ली जिले में भारी

● पुलिस ने लोगों को प्रतिबंध लागू रहने तक शहर में घूमने के लिए नेविगेशन ऐप मैपमाय इंडिया का उपयोग करने की सलाह दी

● प्रमुख स्थल-बंगाली मार्केट, खान मार्केट कर्नाट प्लेस भी आगंतुकों के बिना सूने

बैरिकेडिंग की गई थी और पुलिस शिखर सम्मेलन स्थल और होटलों के आसपास के क्षेत्र में प्रवेश करने वालों के वाहनों और आईडी की जांच कर रही थी, जहां प्रतिनिधि ठहरेंगे। लुटियंस परिधि के अंतर्गत आने वाले मेट्रो स्टेशनों के निकास को अत्यधिक सख्त किया गया था। एक बार तो पायनियर के एक संवाददाता को हस्तक्षेप करना पड़ा जब केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन के निकास द्वार पर दिल्ली पुलिस और एक



नई दिल्ली में जी 20 शिखर सम्मेलन के कारण लगाए गए कड़े यातायात प्रतिबंधों के चलते शुक्रवार को कर्नाट प्लेस जैसे व्यस्त जगहों पर भी सड़क पर सज्जाटा छाया रहा। फोटो: रंजन डिमई

फ्रांसीसी महिला के बीच झड़प हो गई। पुलिसकर्मी उस विदेशी महिला के बारे में जानकारी ले रहे थे और यह समझने की कोशिश कर रहे थे

कि वह अंग्रेजी में क्या कह रही थी। पायनियर संवाददाता ने उससे बात की और जी20 सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर प्रतिबंधों के बारे में बताया,

जिसमें फ्रांसीसी राष्ट्रपति भी भाग ले रहे हैं। पटेल चौक मेट्रो स्टेशन जी20 में शामिल होने वाले प्रतिनिधियों को उठाने वाले कुछ होटलों के करीब है

और इस स्टेशन पर यात्रियों के पहचान पत्र (आईडी) की जांच की जा रही है। जो लोग क्षेत्र के वास्तविक निवासी नहीं हैं या क्षेत्र में आने का

कोई वैध कारण नहीं बता सके, उन्हें वापस जाने के लिए कहा गया। नई दिल्ली स्थित हनुमान मंदिर में लोग नजर नहीं आए। आमतौर पर इस मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। शिखर सम्मेलन की सुरक्षा व्यवस्था के कारण कर्नाट प्लेस बाजार और अन्य बाजार बंद थे।

मीडिया पेशेवर रीता कुमार ने कहा कि कुछ काम के लिए नोएडा एक्सप्रेसवे से नई दिल्ली तक गाड़ी से गई। आमतौर पर, यातायात होने के कारण मुझे इस क्षेत्र तक पहुंचने में एक घंटे से अधिक समय लगता था, लेकिन (आज) मैं 40 मिनट में पहुंच गई, क्योंकि सड़कें खाली थीं। जांच हो रही थी, लेकिन कोई असुविधा नहीं हुई। अधिकारियों ने कहा कि नई दिल्ली में शुक्रवार सुबह कड़े यातायात नियम लागू किए गए, जबकि जी20 शिखर सम्मेलन स्थल और प्रतिनिधियों के ठहरने के लिए होटल वाले क्षेत्र में दवाओं को छोड़कर ऑनलाइन डिलीवरी सेवाओं पर रोक लगा दी गई है। शिखर सम्मेलन के कारण नई दिल्ली जिले को शुक्रवार सुबह पांच बजे से रविवार रात 11 बजेकर 59 मिनट तक नियंत्रित क्षेत्र-एक के रूप में

नामित किया गया है। पुलिस ने लोगों से सैर के लिए, साइकिल चलाने या पिकनिक के लिए इंडिया गेट और कर्तव्य पथ पर नहीं जाने का आग्रह किया है। दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा के अनुरोध के बाद दिल्ली मेट्रो ने आठ, नौ और 10 सितंबर को नेटवर्क की सभी लाइनों पर टर्मिनल स्टेशनों से सुबह चार बजे से अपनी सेवाएं शुरू करने का फैसला किया है। अधिकारियों ने कहा कि शिखर सम्मेलन के दौरान कड़ी निगरानी रखने के लिए श्वान दस्ते और घुड़सवार पुलिस के साथ 50,000 से अधिक कर्मियों को तैनात किया गया है। दिल्ली यातायात पुलिस ने 25 अगस्त को जारी एक परामर्श में प्रतिबंधित वाहनों की सूची में मालवाहक वाहनों, बस, ऑटो-रिक्शा और टेक्सी की आवाजाही को शामिल नहीं किया है। लोगों से नियंत्रित यातायात गतिविधि के कारण जितना संभव हो सके मेट्रो सेवाओं का उपयोग करने का आग्रह किया गया है। पुलिस ने लोगों को प्रतिबंध लागू रहने तक शहर में घूमने के लिए नेविगेशन ऐप मैपमायइंडिया का उपयोग करने की सलाह दी है। विशेष पुलिस (शेष पेज 9)

जी-20 शिखर सम्मेलन

प्रायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जी-20 शिखर सम्मेलन शनिवार से शुरू हो रहा है। इसकी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना खुद करेंगे। वह राजनिवास से पूरे दिन पुलिस मुख्यालय में अत्याधुनिक नियंत्रण कक्ष के कमांड रूम से लगातार संपर्क में रहेंगे और जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए की गई सुरक्षा व्यवस्था पर निगाह रखेंगे। वह नियंत्रण कक्ष में स्थापित हाई-टेक गैजेट्स के माध्यम से शहर में शिखर सम्मेलन के मद्देनजर किए गए सुरक्षा संबंधी इंतजामों और हर सड़क और जी-20 के लिए निर्दिष्ट होटलों पर भी, पुलिस आयुक्त के माध्यम से नजर रखेंगे।

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने बताया गया है कि शहर के विभिन्न हिस्सों में लगाए गए पांच हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरों के द्वारा लाइव तस्वीरें ली जाएंगी।

सीसीटीवी से मिली सभी डिजिटल जानकारी चौबीसों घंटे नियंत्रण कक्ष में भेजी जाएगी।

30 पुलिस अधिकारियों के लिए विशेष कमांड रूम बनाए गए

नियंत्रण कक्ष को जिलेवार फुटेज मिल रही हैं। राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों पर नजर रखने के लिए 30 वरिष्ठ पुलिस

उपराज्यपाल राजनिवास से करेंगे सुरक्षा की निगरानी

एलजी वीके सक्सेना पूरे दिन पुलिस मुख्यालय में नियंत्रण कक्ष के कमांड रूम से लगातार संपर्क में रहेंगे



जी-20 शिखर सम्मेलन: सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस हाई अलर्ट पर है। मिंटो रोड इलाके में बेरिकेडिंग लगाकर संघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। फोटो रंजन डिमरी

अधिकारियों के लिए एक विशेष कमांड रूम स्थापित किया गया है। नियंत्रण कक्ष में सामान्य आकार के मॉनिटरों के अलावा दो विशाल स्क्रीन भी लगाई गई हैं, जिनमें लाइव फुटेज को बड़ा करके देखा

जा सकता है। इस कमांड रूम को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि कंट्रोल रूम में काम करने वाले लोग अधिकारियों को दिखाई दे सकें। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सब कुछ बिना किसी गड़बड़ी

के हो, नियंत्रण कक्ष में तकनीकी विशेषज्ञ भी तैनात किए गए हैं। पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने उपराज्यपाल को बताया कि प्रत्येक जिले से 24 घंटे सूचनाएं प्राप्त की जा रही हैं और वहां पुलिस

कर्मियों को पूरी तैनाती की गई है। हाल ही में जी-20 में हिस्सा लेने वाले प्रतिनिधियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले उपराज्यपाल ने अत्यधिक संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा

व्यवस्था के बारे में विशेष रूप से जानकारी ली। वीवीआईपी इलाकों के अलावा, शहर के संवेदनशील इलाकों में भी हाई रिजॉल्यूशन वाले सीसीटीवी लगाए गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर भारत मंडपम की लगाई तस्वीर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को माइक्रोब्लॉगिंग वेबसाइट एक्स पर अपनी डिस्टो पिक्चर (डीपी) बदलकर जी20 शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल भारत मंडपम की तस्वीर लगा दी। तस्वीर में एक चमकदार रोशनी वाला भारत मंडपम दिखाई दे रहा है, जिसमें नटराज की मूर्ति स्थापित है। मोदी ने अपनी प्रोफाइल पिक्चर भी बदली है और तिरंगे की जगह नमस्ते करते हुए अपनी तस्वीर लगाई है।



कार्यक्रम स्थलों और सुरक्षा से जुड़ी तस्वीरों को साझा न करें: डीएफएस

नई दिल्ली। दिल्ली अग्निशामन सेवा (डीएफएस) ने जी20 शिखर सम्मेलन के लिए ड्यूटी पर तैनात अपने कर्मचारियों को सोशल मीडिया पर आयोजन स्थलों या सुरक्षा पास के तस्वीरें साझा न करने के निर्देश दिए हैं। डीएफएस द्वारा बुधवार को कर्मचारियों के लिए जारी निर्देशों में यह भी कहा गया है कि जी20 के लिए आवश्यक ड्यूटी स्थलों के अलावा किसी अन्य जगहों पर सुरक्षा पास का उपयोग न करें और इस आदेश का अनुपालन न करने को गंभीरता से लिया जाएगा। आदेश में कहा गया, इन पास का किसी भी तरह का

दुरुपयोग करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आदेश का अनुपालन न करने को गंभीरता से लिया जाएगा। डीएफएस ने आदेश में कहा, जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान ड्यूटी पर तैनात सभी अधिकारियों को निर्देश दिया जाता है कि वे जी20 आयोजन स्थलों, सुरक्षा पास, वाहनों के पास की तस्वीरें न लें और सोशल मीडिया पर इस तरह की तस्वीरों को साझा न करें। ज्ञात मेहमानों की सुरक्षा को लेकर केंद्र सरकार की तरफ से सभी विभागों को सख्त निर्देश दिए गए हैं।

अतिथियों के गुजरने वाले मार्ग फूलों से सजे

वायु सेना स्टेशन, पालम से एसपी मार्ग और राजघाट तक पेड़ों को राष्ट्राध्यक्षों के स्वागत मालाओं से सजाया गया

प्रायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जी20 शिखर सम्मेलन में आने वाले विशिष्ट अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। वायु सेना स्टेशन, पालम से एसपी मार्ग और राजघाट तक पेड़ों को गेंदे के फूल मालाओं से सजाया गया है। जिससे मार्गों की खूबसूरती बढ़ेगी। इसके अलावा जगह-जगह जी-20 के थीम बोर्ड भी लगाए गए हैं। इनमें 11 मूर्ति, विंडसर प्लेस, ललित होटल, इंपीरियल होटल, कर्तव्य पथ-सी हेक्सागॉन, अकबर रोड-सी हेक्सागॉन, शेर शाह सूरी मार्ग-सी हेक्सागॉन, पटियाला हाउस-पुराना किला रोड, तीन मूर्ति गोलचक्कर, पीएम हाउस गोलचक्कर, मैथ्यू सर्कस, ताज पैलेस होटल, मौर्य शेरटन होटल, कोटिल्य मार्ग गोलचक्कर, लीला होटल, एसटीपी के पास शांतिपथ, मैथ्यू सर्कस, जाकिर हुसैन मार्ग-सी हेक्सागॉन, यार्क प्लेस, और ताज मानसिंह होटल शामिल है। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के निर्देश पर इन पेड़ों को गेंदे की मालाओं से सजाने का काम 7-8 सितंबर की रात को शुरू हुआ और पूरे कार्यक्रम के दौरान जारी रहेगा।



इको फ्रेंडली सजावट

दिल्ली केंद्र बोर्ड द्वारा पालम तकनीकी क्षेत्र (थिम्पैया मार्ग और परेड रोड) के आसपास के लगभग 400 पेड़ों को दो रंगों के गेंदे के फूलों की माला से सजाया जा रहा है। राजघाट के पास किसान घाट क्षेत्र के आसपास पीडब्ल्यूडी द्वारा लगभग 200 पेड़ों और 100 खंभों पर माला लगाई जा रही है। एनडीएमसी द्वारा सरदार पटेल रोड और महत्वपूर्ण चौराहों के आसपास लगभग 1200 पेड़ों को सजाया गया है। एमसीडी अपने अधिकार क्षेत्र के तहत सड़कों पर लगभग 300 पेड़ों को सजा रहा है। यह पहली बार है कि महत्वपूर्ण सड़कों की ऐसी पर्यावरण-अनुकूल सजावट की गई है।

सूखने के बाद खाद के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता

पेड़ों को सजाने के लिए उपयोग किए जाने वाले गेंदे के फूल लंबे समय तक ताजा रह सकते हैं और उनके मुरझाने और सूखने के बाद भी, उन्हें पेड़ों के आसपास खाद के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, इसके अलावा चुने हुए स्थानों पर नए पौधों के बीजारोपण के लिए भी इनका इस्तेमाल किया जा सकता है। महत्वपूर्ण अतिथियों के स्वागत के लिए यह गुजरात में प्रचलित एक विशिष्ट शैली है। इस उद्देश्य

के लिए उपयोग किए जा रहे सभी फूल स्थानीय फूल मंडियों से लिए गए हैं और मालाओं को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार और सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर बदला जाएगा।



मेहमानों और प्रतिनिधियों का कई भाषाओं में होगा स्वागत

नई दिल्ली। प्रतिनिधियों और अन्य अंतरराष्ट्रीय मेहमानों को यहां शिखर सम्मेलन स्थल पर प्रतिनिधिमंडल केंद्र में प्रवेश करने पर फ्रेंच में बिएनवेन्यू से लेकर तुर्की में होसगेलिडिनिज तक कई भाषाओं में स्वागत किया जाएगा। वसुधैव कुटुंबकम की भावना के साथ हॉल नंबर 14 पर बनाए गए प्रतिनिधिमंडल कार्यालयों में सभी जी20 सदस्य देशों और आमंत्रित देशों की भाषाओं में स्वागत मुद्रित किया गया है।

रंग-बिरंगी पृष्ठभूमि में जर्मन में विलकोमेन से लेकर इंडोनेशियाई में सेलामत डेटिंग और स्पेनिश में बिएनवेनिडो से लेकर तुर्की में होसगेलिडिनिज लिखे गए हैं। सोशल मीडिया एक्स पर बृहस्पतिवार देर रात एक पोस्ट में जी20 इंडिया ने भारत मंडपम के एक वीडियो में आरबीआई इनोवेशन हब पैविलियन, डिजिटल इंडिया एक्सपीरियंस जोन और अन्य सुविधाओं की झलकियां साझा कीं, जो प्रतिनिधियों और अन्य लोगों के लिए बनाई गई हैं।

एक लघु वीडियो में जी20 के मुख्य समन्वयक हर्षवर्धन श्रृंगला ने एक सामान्य विशाल लाउंज क्षेत्र के अलावा, सभी जी20 सदस्य देशों और आमंत्रित देशों के प्रतिनिधियों के लिए समर्पित कार्यालय स्थानों की एक झलक भी दिखाई।

भारत मंडप में डिजिटल इंडिया का प्रदर्शन



रंगबिरंगी रोशनी से नहाया भारत मंडप

प्रायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली। जी20 शिखर सम्मेलन यहां नौ सितंबर को शुरू हो रहा है और इसके आयोजन स्थल पर देश की कुछ प्रमुख डिजिटल लोक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का प्रदर्शन किया गया है जिनमें यूपीआई से लेकर टेलीमेडिसिन सेवा ई-संजीवनी तक शामिल हैं।

आयोजन स्थल भारत मंडपम में डिजिटल इंडिया एक्सपीरियंस जोन की स्थापना की गई है जहां अतिथि आभासी वास्तविकता (वर्चुअल रियलिटी) के जरिए डिजिटल इंडिया यात्रा का अनुभव कर सकेंगे। सरकार ने इस जोन को शिखर सम्मेलन स्थल का एक प्रमुख आकर्षण बताया, जिसे

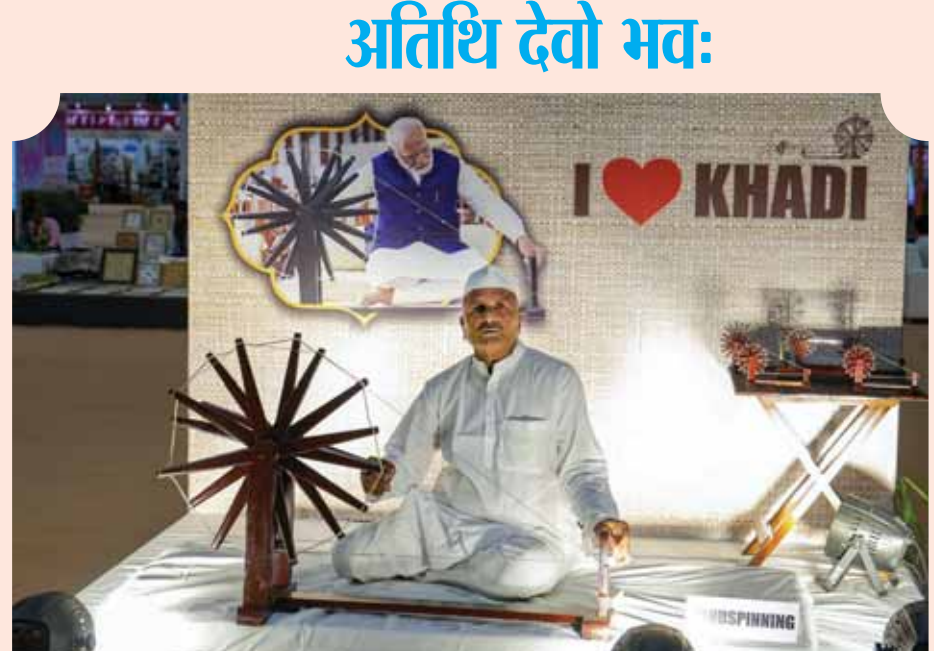
अतिथि आभासी वास्तविकता के जरिए डिजिटल इंडिया यात्रा का अनुभव कर सकेंगे

हॉल नंबर 4 और 14 में स्थापित किया गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित भाषा मंच भाषिणी, आधार, डिजिटल और दीक्षा पोर्टल का भी यहां प्रदर्शन किया गया है।

जी20 प्रतिनिधि ई-संजीवनी कियोस्क के जरिए डिजिटल लोक बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भारत द्वारा की गई प्रगति का अनुभव कर सकेंगे। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो पोस्ट में, जी20 के लिए भारत मंडपम में प्रतिनिधियों के लिए स्थापित विभिन्न सुविधाओं की झलक पेश की गई। इनमें आरबीआई इनोवेशन हब पैविलियन एवं डिजिटल इंडिया एक्सपीरियंस जोन भी शामिल है।



राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शांति देवी ने प्रगति मैदान में जी20 शिखर सम्मेलन से पहले जी20 शिल्प बाजार में पेंटिंग बनाई।



अतिथि देवो भवः



राष्ट्रीय गौरव छत्रपति शिवाजी का चित्र।

अमेरिका-चीन तनाव जी20 पर असर

अमेरिका और चीन के बीच असहज स्थिति के कारण जी20 सम्मेलन पर असर पड़ सकता है। नई दिल्ली में आयोजित जी20 सम्मेलन में दुनिया की प्रमुख 20 अर्थव्यवस्थाएँ अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा तथा परस्पर सहयोग व संवाद बढ़ाने के एजेंडे पर एकत्र हो रही हैं, लेकिन आयोजन के पहले वातावरण असहज है। यह नई चुनौती संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच तनावों के कारण पैदा हुई है और इसकी छाया अच्छे इरादों वाले एजेंडे पर पड़ सकती है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा आयोजन में भाग न लेने की घोषणा से विश्व समुदाय के हित प्रभावित हुए हैं क्योंकि यह उनके लिए अमेरिका के साथ जारी व्यापार युद्ध के समाधानों पर चर्चा का अच्छा अवसर था। राष्ट्रपति शी जिनपिंग व जो बाइडेन सम्मेलन के समय अलग से मुलाकात कर अपने मतभेद घटाने में सहायक हो सकते थे, पर अब वह अवसर खो गया है। अमेरिका-चीन संबंध कठोर आर्थिक प्रतियोगिता व वैश्विक मुद्दों पर राजनीतिक मतभेदों से परिभाषित होते हैं। जी20 सम्मेलनों ने ऐतिहासिक रूप से बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को साथ आने, दोस्ती मजबूत करने तथा संवाद बढ़ाने के अवसर दिए हैं। अमेरिका और चीन को इस बात का श्रेय दिया जा सकता है कि उन्होंने सालों तक अपने मतभेदों को किनारे रख कर वैश्विक महत्व के मुद्दों पर समान आधार तलाशा है। इनमें जलवायु परिवर्तन व आर्थिक स्थायित्व शामिल हैं। लेकिन हालिया घटनाओं ने इन संबंधों पर काली छाया छोड़ी है। अमेरिका और चीन के बीच टकराव का एक प्रमुख मुद्दा व्यापार है।

अमेरिका व चीन के बीच भू-राजनीतिक मतभेदों के गहरे होने व खासकर दक्षिण चीन सागर विवाद के कारण मामले जटिल हो गए हैं। ताइवान और हांगकांग लंबे समय से इन विश्व शक्तियों के बीच टकराव के बिंदु बने हुए हैं। इसके साथ ही अमेरिका और भारत के बीच बढ़ती निकटता से भी चीन नाराज है। इन मुद्दों पर पहले से जारी आरोपों-प्रत्यारोपों के कारण अविश्वास और बढ़ा है। अपनी पत्नी की बीमारी के बावजूद जो बाइडेन ने दिल्ली सम्मेलन में भाग लेने का निर्णय किया, पर दूसरी ओर शी जिनपिंग ने बड़े सुविधाजनक तरीके से भारत में हो रही जी20 की बैठक में भाग न लेने का फैसला कर लिया। जी20 सम्मेलन के पहले चीन द्वारा अपने 'मानक मानचित्रों' में अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्से दिखाए गए थे जो वास्तव में भारत के हैं। चीन द्वारा जी20 सम्मेलन में स्वीकार करने के लिए प्रस्तावित 'दिल्ली घोषणा' पर कई आपत्तियां दर्ज कर चीन ने मामला और खराब किया है। उसे 'वसुधैव कुटुम्बकम्' शब्दों पर आपत्ति है और यूक्रेन के खिलाफ मास्को की सैनिक कार्रवाई को निन्दा करने वाले अनुच्छेदों का विरोध करने में वह रूस के साथ है। अमेरिका-चीन के बीच जारी भू-राजनीतिक टकराव के अन्य क्षेत्रों तक फैलने का खतरा है। इनमें टेक्नोलॉजी, डेटा निजता के बारे में चिन्ता, साइबर सुरक्षा तथा चीनी टेक कंपनियों द्वारा सूचनायें चुराने जैसे विषयों ने तनाव बढ़ाया है। जी20 आदर्श रूप से डिजिटल युग के मानकों को स्थापित करने व चर्चा का मंच होना चाहिए। आतिथेय के रूप में भारत के सामने अमेरिका और चीन के हितों व चिन्ताओं में संतुलन की कठोर चुनौती है ताकि सार्थक संवाद का माहौल बनाया जा सके। भारत का राजनयिक व राजनीतिक नेतृत्व दोनों शक्तियों के साथ ही आयोजन में आने वाले सभी देशों के बीच रचनात्मक संवाद का माहौल बनाने का प्रयास कर रहा है।



सुभाष चंद्र अग्रवाल
(लेखक, आरटीआई सलाहकार हैं)

लोकतंत्र हेतु एक देश-एक चुनाव

भारत दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक है। अचानक निर्यात पर प्रतिबंध से दुनिया के विश्वसनीय सप्लायर के रूप में भारत की छवि प्रभावित हो सकती है।



सुभाष चंद्र अग्रवाल
(लेखक, आरटीआई सलाहकार हैं)



किसान पहले से ही बाढ़ के कारण फसलों के नुकसान से अत्यधिक प्रभावित थे। अब अचानक चावल निर्यात पर प्रतिबंध से उनको और चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार ने हाल ही में बासमती निर्यात पर कठोर नियंत्रण लगाते हुए उसका न्यूनतम मूल्य 1200 डालर प्रति मीट्रिक टन कर दिया। इस कीमत से कम पर निर्यात अनुबंधों का मूल्यांकन कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य विकास अथॉरिटी-अपीडा द्वारा गठित कमेटी की अनुमति जरूरी हो गई है। अन नियंत्रणों के पीछे कारण निर्यातकों को सफेद चावल निर्यात पर निर्यात प्रतिबंधों को रोकने के लिए है जिनका निर्यात गैर-बासमती प्रजातियों के रूप में किया जा सकता है। लेकिन ब्रिटेन जैसे गुणवत्ता के प्रति सचेत देशों की बाजारों में डीएनए फिंगरप्रिंटिंग का प्रयोग कर बासमती ब्रांडिंग का परीक्षण किया जाता है। इससे वे आयातित चावलों की प्रजाति में किसी मिलावट का पता लगा सकते हैं। ऐसे में वर्तमान निर्णय का मूल्यांकन करने के साथ चावल निर्यात हतोत्साहित करने के लिए पहले लिए गए दो निर्णयों पर भी गौर करना जरूरी हो गया है। जुलाई में सरकार ने गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था और इसके बाद 25 अगस्त को 'पारब्यायलड' चावलों के निर्यात पर 20 प्रतिशत निर्यात ड्यूटी लगा दी गई। इन कदमों का किसानों व खासकर हरियाणा व पंजाब के किसानों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। उनको इस निर्णय से दुहरी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। पहले ही कुछ क्षेत्रों में बाढ़ के कारण उनकी धान उत्पादकता में 10-12 प्रतिशत कमी आई है। इसके कारण वे चावल निर्यात की अधिक कीमतों का लाभ उठाने से वंचित रहे। निर्यात पर प्रतिबंध का अर्थ है कि किसान वैश्विक स्तर पर मांग-अपूर्ति स्थिति का लाभ उठाने से वंचित रहेंगे। इसके कारण सितंबर, 2011 के बाद से चावल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भारी उछाल आया है। इसी पुष्टि अगस्त, 2023 में जारी राइस

प्राइस इंडेक्स से हुई है जो 130 बिंदु तक पहुंच गया है। चावल निर्यात पर प्रतिबंध व कठोर नियंत्रणों का कारण सरकार द्वारा घरेलू खाद्यान्न मुद्रास्फीति से निपटने के प्रयास हैं। खरीफ के मौसम में प्रमुख धान-उत्पादक राज्यों में भारी बरसात के कारण बड़े पैमाने पर फसलें नष्ट होने की स्थिति सामने आई है। सरकार को इससे इन राज्यों में पैदावार कम होने की चिन्ता सता रही है। भारत के मैक्रो आर्थिक स्थायित्व के लिए मुद्रास्फीति को काबू में रखना बहुत जरूरी है। लेकिन इसके साथ ही इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने से किसानों पर इसका भारी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इससे खासकर वे किसान जिनका प्रभावित होगा जो पहले से ही संकटों में घिरे हैं। इस संकट से निपटने के लिए राज्य सरकारों को बाजारों को छूट देनी चाहिए तथा बासमती निर्यात पर उनकी ग्रामीण विकास फंडस समाप्त करनी चाहिए ताकि किसानों को संभावित नुकसान से बचाया जा सके। कृषि उत्पादों के निर्यात पर प्रतिबंध या उस पर नियंत्रण लगाने से बचने के लिए केन्द्र सरकार को

इनकी उचित कीमत पर खरीद करनी चाहिए। 'एक्सपोर्ट पैरिटी प्राइस' कहे जाने वाली इस कीमत का अर्थ यह है कि यदि किसान निर्यात अनुबंध पूरे करने की स्थिति में न हों तो उनको इस कीमत का भुगतान किया जाए। ऐसी व्यवस्था करने के बाद सरकार अपने भंडार को बाजार में बेच सकती है ताकि कृषि उत्पादों की कीमतें स्थिर रखी जा सकें। हालांकि, ऐसी व्यवस्था के कारण राजकोष पर बोझ पड़ेगा तथा राजकोषीय घाटा बढ़ सकता है। वैसे इस मामले में अल्पकालीन अवधि के खर्चों को अन्य क्षेत्रों में होने वाली बचत से संतुलित किया जा सकता है। इसके साथ ही इस तथ्य को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए कि 'एक्सपोर्ट पैरिटी प्राइस' के दीर्घकालीन लाभ होंगे। खेती से होने वाली आय कम होने की स्थिति में किसान कृषि सुधारों का समर्थन करने के इच्छुक नहीं होंगे। इस उद्देश्य से कृषि सुधारों के मामले में दीर्घकालीन लाभों व इस पर होने वाले खर्च पर गौर करना होगा।

भारत पिछले लगभग एक दशक से दुनिया में चावल का सबसे बड़ा निर्यातक है जो उसके कुल कृषि उत्पाद आयातों का 19 प्रतिशत है। लेकिन अचानक चावल निर्यात पर प्रतिबंध लगाने से दुनिया के विश्वसनीय सप्लायर के रूप में भारत की छवि को नुकसान पहुंच सकता है। इसके निर्यात किया जो दुनिया के कुल चावल निर्यात का 40 प्रतिशत से अधिक है। भारत के चावल निर्यात में गैर-बासमती का हिस्सा सबसे अधिक है। भारत ने वर्ष 2022-23 में 2.22 करोड़ टन का रिकार्ड निर्यात किया जो दुनिया के कुल चावल निर्यात का 40 प्रतिशत से अधिक है। भारत के चावल निर्यात में गैर-बासमती का हिस्सा सबसे अधिक है। भारत ने वर्ष 2022-23 में 1.77 करोड़ टन गैर-बासमती चावल का निर्यात किया था जिसकी कीमत 51,089 करोड़ रुपये थी। इसके साथ ही भारत ने वर्ष 2022-23 में 45 लाख टन बासमती चावल का निर्यात किया था जिसकी कीमत 38,524 करोड़ रुपये थी। बासमती चावल निर्यात में सुगंध बनाए रखना तथा प्रतिबंधित कीटनाशकों के प्रयोग से बचना भी बहुत जरूरी है। किसानों को बासमती उत्पादन के लिए प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए तथा उनके गुणवत्तापूर्ण बासमती उत्पादन के विभिन्न आयामों में प्रशिक्षित भी किया जाना चाहिए।

जी-20 सम्मेलन के लिये तैयार है मंच

गरिमा और अधिकारों के मामले में, सभी मनुष्य स्वतंत्र और समान पैदा होते हैं।

कुमारीदीप बनर्जी
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

इस साह नई दिल्ली में जी20 नेताओं का शिखर सम्मेलन सत्यागता सामूहिक इतिहास के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हो रहा है। जी20 कार्यक्रम को लोकतांत्रिक बनाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के तहत भारत ने भारत के लगभग 60 शहरों में 200 बैठकें आयोजित की हैं, जिसमें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन किया गया है, जलवायु वित्त, सतत विकास पर्यटन आदि जैसे पारस्परिक संयुक्त कार्रवाई के नए विषयों को पेश किया गया है, जबकि सूक्ष्मता से भेजा जा रहा है। भू-राजनीतिक मोर्चे पर प्रमुख संदेश।

चीन, जिसके साथ भारत के संबंध सबसे अच्छे नहीं हैं, लड़ाख में सैन्य गतिरोध

और हिंद महासागर क्षेत्र में लगातार झगड़े के कारण, अरुणाचल प्रदेश और कश्मीर में जी20 बैठकों में शामिल नहीं हुआ, और सीधे तौर पर अपने क्षेत्र पर भारत के संप्रभु अधिकारों को चुनौती दी। चीन ने भी पिछले हफ्ते एक मानक मानचित्र जारी किया था, जिसमें अरुणाचल प्रदेश सहित भारत के कई हिस्सों को अपना क्षेत्र बताया गया था, जो भारत के साथ द्विपक्षीय रूप से जुड़ने और सीमा की स्थिति को फैलाने के लिए एक सख्त असहमति थी। चीन अपनी विश्व व्यवस्था बनाने के लिए बेहद उत्सुक है, जिसके बारे में उसका दावा है कि यह अमेरिका-केंद्रित भू-राजनीति से तय नहीं होगी।

इस दिशा में उसने अपने एजेंडे को ध्यान में रखते हुए और जी20 मंच का एक लघु संस्करण तैयार करते हुए 6 नए देशों को ब्रिक्स समूह में शामिल करने की सफलतापूर्वक प्रेरणा दी है। संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और मिस्र, जो चीन और भारत के लिए रणनीतिक हित रखते हैं, को उनकी द्विपक्षीय क्षमताओं में शामिल करना अरब विश्व मामलों में अधिक



हिस्सेदारी की दिशा में एक धक्का है। इस बीच, चीन और अमेरिका अपने द्विपक्षीय संबंधों में बड़े मतभेद पर हैं, विशेष रूप से उच्च-स्तरीय तकनीक को लेकर जिसका उपयोग चीन द्वारा सैन्य उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। नवाचार और डिजाइन के मामले में अमेरिका को तकनीकी लाभ प्राप्त है, जबकि इन उत्पादों का अधिकांश विनिर्माण चीन में होता है। वर्तमान सहित अमेरिका में लगातार दो सरकारों ने चीन से खुद को जोखिम से मुक्त करने की कोशिश की है, क्योंकि यह डर बढ़

गया है कि चीनी अपने सैन्य अभियानों के लिए परिष्कृत अमेरिकी तकनीक का उपयोग कर सकते हैं। चीन 5जी जैसी मौजूदा प्रौद्योगिकियों में अग्रणी है, हालांकि, भू-राजनीति के कारण, भारत सहित प्रमुख तकनीकी उपभोक्ता चीनी तकनीक से खुद को जोखिम से मुक्त करने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका और भारत ने 5जी नेटवर्क के लिए तैनात अपने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में किसी भी नए चीनी हाइड्रियर सरकारी ने चीन से खुद को जोखिम से मुक्त करने की कोशिश की है, क्योंकि यह डर बढ़

विरोधी और पश्चिमी गुट के विचारों को भी जोड़े, खासकर जी20 मंचों पर। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण से ठीक पहले चीन और रूस ने बिना किसी सीमा के संबंध स्थापित किया। रूस के साथ अपने विशेष संबंधों को दोहराने के लिए कोविड प्रतिबंध हटाए जाने के तुरंत बाद चीनी प्रधानमंत्री ने राजकीय यात्रा पर रूस का दौरा किया। रूस के साथ अपनी दोस्ती साबित करने की दिशा में, चीन ने पिछले साल भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत मंत्रिस्तरीय बैठकों में अधिकांश संयुक्त परिणाम बयानों को रोक दिया है, कभी-कभी कमजोर बयानों के तहत। यह ध्यान देने योग्य है कि चीनी और रूसी दोनों राष्ट्रपतियों ने इस साहस भारत में जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लिया, जिससे सर्वसम्मति-आधारित संयुक्त नेताओं के परिणाम दस्तावेज के लिए एक चुनौती पैदा हो गई।

चीनी प्रधानमंत्री शी जिनपिंग के नई दिल्ली में भारत के नेतृत्व वाले 120 नेताओं के शिखर सम्मेलन में नहीं आने का असली कारण यह है कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति बिडेन के साथ द्विपक्षीय बैठक नहीं करना

चाहते थे। चीन खुद को वैश्विक मामलों में दिग्गज मानता है और चाहता है कि भारत को एक कमजोर राष्ट्र का दर्जा दे दिया जाए। महत्वपूर्ण रणनीतिक मुद्दों पर अमेरिका और भारत के बीच हालिया मित्रता, जिसमें नई दिल्ली का अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य और भू-राजनीतिक गुट की ओर धीरे-धीरे बदलाव भी शामिल है, की चीन से लगातार आलोचना हो रही है। अमेरिका और भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सर्वसम्मति-आधारित निष्पक्ष, पारदर्शी, लोकातांत्रिक ढांचा और नीति दृष्टिकोण बनाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

क्वाड, ऑस्ट्रेलिया, भारत, अमेरिका और जापान वाले चार देशों का गठबंधन है, जो पूरी तरह से इंडो-पैसिफिक क्षेत्र पर केंद्रित है और उभरती प्रौद्योगिकियों सहित प्रमुख मामलों पर एक साथ समन्वय करने की कोशिश कर रहा है। यह वह पृष्ठभूमि है, जो अपनी अध्यक्षता में जी20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत के भव्य प्रदर्शन को महत्वपूर्ण बनाती है, जो आने वाले कई वर्षों के लिए विश्व मामलों की स्थिति पर प्रकाश डालती है।

आप की बात

जी20 आयोजन

वैसे तो जी20 के अध्यक्ष अलग-अलग राष्ट्र होते रहे हैं। लेकिन इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार की अध्यक्षता में जी20 शिखर सम्मेलन को मिली है वह इससे पूर्व शायद ही किसी देश ने दी है। इतने भव्य पैमाने पर और इतने जोशों खरोश व उत्साह के साथ भारत अपने मेहमानों के स्वागत में जुटा हुआ है। बेशक चीनी व रूसी राष्ट्रपति के नहीं आने से कुछ कसक रहेगी मगर रूस से विदेश मंत्री तथा चीन के प्रधानमंत्री आयोजन में भाग लेने आ रहे हैं। इस बार भारत में जी20 की मीटिंग में सबको अपने विचार रखने और विश्वव्यापी प्राथमिकताओं को मुख्य

मुद्दा बनाया गया है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि जी20 में किसी का मोहरा या अपनी बात जबरन थोपने का मौका नहीं दिया जाएगा और इसकी निष्पक्षता बरकरार रहेगी। जी20 के शानदार आयोजन से भारत की साख विश्व में बढ़ेगी तथा कई विश्व स्तरीय मुद्दों पर मंथन होगा। बेशक इस आयोजन में चीन के विस्तारवाद और रूस-यूक्रेन युद्ध पर भी सवाल उठेंगे। शायद इन्हीं सवालों से बचने के लिए चीनी और रूसी राष्ट्रपति इस सम्मेलन में शिरकत नहीं कर रहे हैं। इस आयोजन से विदेशों में भारत की लोकप्रियता जन-जन के बीच और बढ़ेगी।

-सुभाष बुद्धवन वाला, रत्लाम

जलवायु परिवर्तन

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस साल के पिछले तीन महीने जून, जुलाई और अगस्त धरती के इतिहास के सबसे गर्म महीने थे। धरती की सतह का तापमान तो शरीर जलाने जैसा था ही समुद्र तल के भी तापमान में अभूतपूर्व वृद्धि ने मौसम वैज्ञानिकों को चौंका दिया। जंगलों के साथ-साथ शहरों के रिहाइशी इलाकों में आग लगने की घटनायें पहले की तुलना में बहुत बुरे गई हैं। इसके साथ ही बाढ़ का विस्तार, भूस्खलन तथा हिमखंड पिघलने का जितना रिकार्ड बना उतना पहले की नहीं हुआ था। जिस महाद्वीप यूरोप को सबसे उंडा माना जाता था वहां पिछले साल 2022 में हीटवेव के चलते 61,000 से अधिक लोग मारे गए जिनमें अकेले ब्रिटेन में 3,000 से अधिक लोग शामिल हैं। दुनिया भर के देश एवं नेता बस कांप 28 की तैयारी में जुटे हुए हैं जब दुबई में 30 नवंबर से 12 दिसंबर 2023 तक दुनिया के नेताओं का महाजुटान होगा। अफ्रीकी नेताओं ने एक संयुक्त घोषणा में वैश्विक कार्बन कर व्यवस्था का प्रस्ताव रखा है। मगर इसे मानेगा कौन? सबसे जायदा कार्बन उत्सर्जन करने वाले देश अमेरिका, चीन, रूस और जापान शायद ही इसे स्वीकारने को तैयार हों।

-जग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

सनातन पर हमले

उद्दयनिधि स्टालिन के बयान के समर्थन में ए. राजा का बयान आना संकेत है कि इंडिया गठबंधन के उच्च नेता कितने मजबूत हैं कि वो 100 करोड़ सनातनी आबादी की भावनाओं के प्रति अपनी राजनैतिक महत्वकांक्षा के कारण मौन हैं। ए. राजा ने सनातन को तुलना एड्स और कुछ रोग से की है। यदि कुरीतियों के सन्दर्भ में देखा जाए तो भी स्टालिन को पहले अपने धर्म की कुरीतियों के उन्मूलन के बारे में विचार करना चाहिए। सनातन को बदनाम करके और उसका अपमान करके शायद इंडिया गठबंधन के कुछ दल अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहते हैं, परन्तु यदि गठबंधन को राष्ट्रीय स्तर पर सफलता चाहिए तो स्टालिन, ए. राजा व स्वामी प्रसाद जैसे लोगों पर अंकुश लगाना होगा। सनातन या हिंदू समाज ने अतीत में अपनी अनेक कुरीतियों से मुक्ति पाने में सफलता पाई है। आज सनातनी देश-विदेश में सबसे प्रगतिशील व परिश्रमी लोगों में गिने जाते हैं। ऐसे में सनातन पर हमले करने वाले स्वयं नष्ट हो जाएंगे।

-मनोज पुरुषार्थी, मेरठ

आरक्षण का समर्थन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ-आरएसएस के सर संघ चालक मोहन भागवत का यह कहना न केवल न्यायोचित एवं तर्कसंगत है बल्कि वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप है। उन्होंने कहा है कि भेदभाव जब तक है आरक्षण रहे। यह एक कड़वा सच है कि भारतीय सामाजिक संरचना में जातिगत व्यवस्थाएं मजबूत जड़ जमा कर बैठी हुई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक स्थानों पर उपेक्षित, भूमिहीन, दलितों पर आज भी अत्याचार और उत्पीड़न जातिगत श्रेष्ठता और जातीय दंभ के कारण होती है। हम सभी देशवासियों को आरएसएस प्रमुख के वक्तव्य एवम भावनाओं का स्वागत करना चाहिए। मोहन भागवत का यह कोई पहला बयान नहीं है। इससे पूर्व भी उन्होंने जातिवाद पर कठोर प्रहार किए हैं। विचार करना होगा कि कैसे भारत में अमन-चैन कायम हो, समाज के सभी समुदायों में समन्वय और संवाद कायम हो, सभी धर्म के अनुयायी अपनी पूजा पद्धति में विश्वास करें और राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। उम्मीद करनी चाहिए कि विकसित भारत में सामाजिक समता के कारण आरक्षण की जरूरत नहीं रहेगी।

-वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

भारत को महाशक्ति के रूप में देखना हर भारतीय की इच्छा

मुख्यमंत्री ने मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत गोरखनाथ मंदिर परिसर की मिट्टी से भरा कलश भाजपा महानगर इकाई को सौंपा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि 2047 में जब देश आजादी का शताब्दी महोत्सव महोत्सव मना रहा होगा तब हर राष्ट्रभक्त भारतीय के मन में भारत को समर्थ, सशक्त और दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति के रूप में देखने की इच्छा होगी। हर भारतीय देश को दुनिया का नेतृत्व करते हुए देखने की इच्छा रखता है।

सीएम योगी शुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भाजपा महानगर इकाई के अध्यक्ष राजेश गुप्ता को गोरखनाथ मंदिर परिसर की मिट्टी अमृत कलश में भरकर सौंपी। इस



अवसर पर उन्होंने कहा कि नेतृत्व में भारत ने अपनी आजादी दिव्यता के साथ आयोजित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी का अमृत महोत्सव पूरी भव्यता और यह हम सबका सौभाग्य है कि

आजादी के अमृत काल के प्रथम वर्ष में हम सबको नए भारत का दर्शन हो रहा है। पीएम मोदी ने नए भारत की 140 करोड़ की आबादी को आगामी 25 वर्षों को एक विस्तृत कार्यक्रमों के साथ आगे बढ़ने का एक अवसर दिया है। सीएम योगी ने कहा कि सशक्त, समर्थ और शक्तिशाली भारत के लिए जो कार्यक्रम दिए गए हैं, उसी की श्रृंखला में विरासत के सम्मान वाले 'माटी को नमन वीरों को वंदन' कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के कार्यक्रम का शुभारंभ आज गोरखपुर में महानगर संगठन की तरफ से किया जा रहा है। इसमें गोरखपुर की माटी को अमृत कलश के साथ जोड़ने का सौभाग्य मुझे प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि

प्रदेश भर के हर नगर निकाय व हर विकासखंड से अमृतकलश एकत्र होकर लखनऊ और फिर दिल्ली के लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ में जहां आजादी के अमृत कलश की स्थापना हुई है, उसी पवित्र स्थल पर एक अमृत कलश वाटिका स्थापित हो रही है जहां प्रदेश भर से संग्रहित कलश रखे जाएंगे। अमृत कलश वाटिका में 825 विकास खंडों समेत करीब 1500 स्थलों से एकत्रित मिट्टी को कलश रखे जाएंगे। इस अवसर पर महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल, भाजपा महानगर संगठन से महामंत्री इंद्रमणि उपाध्याय, ओमप्रकाश शर्मा, देवेश श्रीवास्तव, अच्युतानंद शाही, आदि उपस्थित रहे।

3 महीने में निराश्रित गोवंश का संरक्षण करने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार ने प्रदेश में अगले 3 माह के अंदर निराश्रित गोवंश के संरक्षण के आदेश दिए हैं। बीते दिनों आगरा, सुल्तानपुर एवं पीलीभीत जैसे जनपदों में हुई घटनाओं का संज्ञान लेते हुए सरकार ने कड़े शब्दों में कहा है कि ऐसी घटनाओं की आगे पुनरावृत्ति न हो। उल्लेखनीय है कि सरकारी आंकड़ों में अभी भी लगभग 2.5 से 3 लाख निराश्रित गोवंश होने की जानकारी है। इसी कड़ी में योगी सरकार ने सभी के संरक्षण के निर्देश जारी किए हैं। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने बैठक में कहा कि अगले 3 महीने में निराश्रित गोवंश का संरक्षण किया जाए। साथ ही घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पंचायतों द्वारा नगरीय क्षेत्रों में संरक्षित गोश्यों में पौष्टिक आहार की व्यवस्था की जाए। बुदिलखंड क्षेत्र में 15 सितम्बर तक खुले पशुओं को संरक्षित कर लिया जाए। जनपद हरदोई, सीतापुर, रायबरेली, प्रतापगढ़, फतेहपुर बदायूं आदि की सड़कों एवं नदियों के किनारों पर बहुत अधिक संख्या में गोवंश का विचरण होता है। शहरों में भी मंडियों के समीप एवं कालोनियों में गोवंश विचरण करते हैं। नगर आयुक्त और अधिशासी अधिकारी का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाए। नए अस्थायी गो-आश्रय स्थलों की स्थापना की सूचना तत्काल प्रेषित की जाए। जिलाधिकारी से लेकर एसडीएम तक सतत अनुश्रवण एवं पोर्टल का प्रयोग सुनिश्चित हो। मुख्य सचिव ने कहा कि नदियों के किनारे हजारों की संख्या में गोवंश विचरण करते हैं। ट्रेक्टर मारुटेड केटरल कैचर की व्यवस्था एवं ट्रेक्टर का क्रय सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी विशेष दस्ते बनाकर आपरेशन चलाएंगे। हाइवे पर अन्तर्विभागीय कार्मिकों की विशेष टीम बनाई जाए। दरतों के लिए टीम लीडर, कार्मिक, उपकरण एवं वित्तीय व्यवस्था हो जबकि आकड़ न छुपाए और कार्यवाही करें।

भारत जोड़े यात्रा की पहली वर्षगांठ पर कांग्रेस ने निकाली पदयात्रा

लखनऊ। भारत जोड़े यात्रा की पहली वर्षगांठ पर बीजेपी गुरुवार को कांग्रेस के अखिल भारतीय आवाह पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश के सभी 75 जनपदों में पदयात्रा निकाली। जिसमें कांग्रेस जनों ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के साथ चलकर प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। पहली वर्षगांठ पर पूरे प्रदेश के प्रत्येक जनपद में कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता, विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व सांसद एवं एआईसीसी सदस्य, पीसीसीए सदस्य, प्रदेश पदाधिकारी कांग्रेस सेवादल, युवा कांग्रेस, छात्र संगठन, महिला कांग्रेस, किसान कांग्रेस सहित सभी प्रकोष्ठों एवं विभागों के नेता एवम हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदेश प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष अजय राय प्रयागराज में पदयात्रा में शामिल हुए और आनंद भवन से चंद्रशेखर आजाद पार्क तक यात्रा निकालकर और तिरंगा झंडा के साथ राष्ट्रगान कर भारत जोड़े यात्रा के आदर्श प्रेरणा और उद्देश्य पर चलने का संकल्प लिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने भारत जोड़े यात्रा की वर्षगांठ पर मिले अपार जनसमर्थन पर सभी प्रदेशवासियों को आभार व्यक्त करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया और कहा कि भारतीय जनता पार्टी के जंगलजय से जनता ऊब चुकी है, भेदभाव और भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है, राहुल गांधी जी ने घर-घर जो मोहब्बत का संदेश पहुंचाया है।

भाजपा का घमंड तोड़ने के साथ लोकसभा चुनाव के परिणाम का भी दे दिया संकेत: अखिलेश

● सपा मुखिया ने कहा घोसी उप चुनाव में जीते तो एक विधायक पर हारे कई दलों के मावी मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है घोसी उपचुनाव में सपा व इंडिया गठबंधन प्रत्याशी की जीत ने भाजपा का घमंड तोड़ने के साथ सन् 2024 के लोकसभा चुनाव के परिणाम का भी संकेत दे दिया है। यह भाजपा की उल्टी गिनती की शुरुआत है। अखिलेश यादव ने कहा कि घोसी उपचुनाव की जीत सकारात्मक राजनीति की जीत और सांप्रदायिक नकारात्मक राजनीति की हार है। भाजपा की तोड़फोड़ और समाज को बांटने वाली राजनीति को भी यह मुहताब उतर है। भाजपा ने सत्ता के दुरुपयोग की भरसक कोशिशों की पर जनता ने करारा जवाब देकर भाजपा प्रत्याशी को सबक सिखाया है। पीडीए की धारा को इंडिया गठबंधन के साथ जोड़कर सामाजिक न्याय के लिए जातीय जगणना की मांग करने वालों को भी जीत है। जीते तो एक विधायक हैं पर हारे कई दलों के भावी मंत्री हैं। अखिलेश यादव ने साथ छोड़ने वाले दारा सिंह चौहान व सुभाषणा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर पर भी तंज किया। सन् 2022 के चुनाव में भाजपा ने जनादेश के साथ छल किया था। झूठे प्रचार और जुमालाजीवियों को अब कोई नहीं पड़ेगा। घोसी उपचुनाव की जीत के साथ लखनऊ, बरेली, जालौन तथा मिर्जापुर में भी जिला पंचायत के चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों को जीत मिली है। सभी जीते प्रत्याशियों को बधाई और इतदाताओं को धन्यवाद है। वहीं, शिवपाल यादव ने ट्वीट किया है। इसमें अपने साथ अखिलेश की फोटो को साझा करते हुए लिखा है कि समाजवादी पार्टी जिंदाबाद, अखिलेश यादव जिंदाबाद। इसके बाद ही अखिलेश ने रिट्वीट करते हुए कहा कि चाचा जी जिंदाबाद। एक मुख्यमंत्री, दो उपमुख्यमंत्री, 14 मंत्री-संजी, विधायक, शासन प्रशासन पूरी भाजपाई फौज फिर भी घोसी की जनता ने नकार दिया नफरत की विचारधारा को।

जीत पर सपा मुख्यालय में जश्न का माहौल ढोल-नगाड़े की थाप पर नाचे कार्यकर्ता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

घोसी उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी श्री सुधाकर सिंह की भाजपा प्रत्याशी पर बहुरे की खबरें जैसे ही आनी शुरू हुई समाजवादी के प्रदेश कार्यालय लखनऊ पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भीड़ जुटने लगी। जैसे ही समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी की बम्पर जीत तय हो गई सम्पूर्ण वातावरण समाजवादी पार्टी जिंदाबाद अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारों से गुंज उठा। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि कार्यकर्ताओं में जो जोश की लहर देखी उससे प्रतीत होता है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा बुरी तरह से हारेगी। कार्यकर्ता ढोल नगाड़े की थाप के साथ भांगड़ा की धुन पर नाचे। एक दूसरे की मिठाई खिलाई। प्रदेश कार्यालय के बाहर आतिशबाजी हुई। सैकड़ों कार्यकर्ताओं की भीड़ में महिलाएं, नौजवान, अल्पसंख्यक, वकील, व्यापारी, शिक्षक सभी जीत के जश्न में डूबे थे। कार्यकर्ताओं की



भीड़ के उत्साह में राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव भी प्रदेश कार्यालय में आ गए। उन्होंने कार्यकर्ताओं को उनके परिश्रम के लिए बधाई दी और जीत को उन्हें समर्पित किया। राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उतम पटेल, राकेश प्रताप सिंह विधायक, जसमीर अंसारी एमएलसी, पूर्व राज्यसभा सदस्य अरविन्द कुमार सिंह, पूर्व मंत्री आरके चौधरी, सीएल वर्मा, पूर्व एमएलसी शशांक यादव, राजेश यादव एवं डॉ. राजपाल कश्यप, विकास यादव, सर्वेश अम्बेडकर, वंदना मिश्र, डॉ. रमेश दीक्षित, अतहर हुसैन, अनुराग देवेन्द्र सिंह यादव जीतू, संजय सविता विद्यार्थी, एसके राय, जयसिंह जयंत, नवीन धवन बंटी आदि ने भी इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को बधाई दी तथा जीत के लिए अखिलेश यादव के नेतृत्व का आभार जताया।

श्रीकाशी विश्वनाथ धाम

टूटे सारे रिकॉर्ड, सावन में 5 गुना ज्यादा चढ़ा चढ़ावा

● भक्तों ने कुल मिलाकर बाबा भोलेनाथ को चढ़ाया 16.89 करोड़ रुपए का चढ़ावा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/वाराणसी

श्रीकाशी विश्वनाथ कॉरीडोर ने न केवल श्रीकाशी विश्वनाथ धाम को एक नव्य और भव्य आभा से अलंकृत किया है, बल्कि श्रद्धालुओं को भी ऐसा मोहित किया कि देश-दुनिया से बाबा भोलेनाथ के भक्त बरसों ही खिंचे चले आ रहे हैं। योगी सरकार द्वारा वाराणसी में की गई उत्तम व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं को सुगम व सुरक्षित दर्शन उपलब्ध कराने के संकल्प का परिणाम यह है कि पूरे देश में काशी धार्मिक पर्यटन के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। आज काशी धार्मिक पर्यटन के लिहाज से देश में मोस्ट फेवरेट डेस्टिनेशन बनकर उभरा है। यही कारण है कि भगवान शिव की अराधना को समर्पित श्रावण मास में यहां इस वर्ष सभी रिकॉर्ड धराशायी हो गए। इस वर्ष श्रावण माह में कुल 16317000 भक्तों ने बाबा भोलेनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इतना ही नहीं, श्रद्धालुओं ने दिल खोलकर बाबा पर खूब चढ़ावा भी चढ़ाया। पिछले सावन के मुकाबले इस वर्ष सावन में बाबा को भक्तों ने 5 गुना ज्यादा चढ़ावा चढ़ाया है। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम की नई आभा पूरे विश्व में बिखरने लगी है।



राज्यसभा उप चुनाव में भाजपा के डॉ. दिनेश शर्मा निर्विरोध निर्वाचित



पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की रिक्त सीट पर हुए उप चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार व पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। शुरुवार की दोपहर विधानसभा में उन्हें प्रमाण पत्र सौंपा गया। यह सीट भाजपा के राज्यसभा सांसद हरद्वार दुबे के निधन से रिक्त हुई थी। हरद्वार दुबे का 26 जून को निधन हो गया था। राज्यसभा सदस्य के रूप में उनका कार्यकाल नवम्बर 2026 तक था। निर्वाचन आयोग ने 29 अगस्त को ही इस सीट पर चुनाव के लिए अधिसूचना जारी की थी। डॉ. दिनेश शर्मा ने पांच सितम्बर को भाजपा उम्मीदवार के रूप में नामांकन किया था। चूंकि उनके खिलाफ किसी और ने इस पद के लिए पत्रां दायित्व नहीं किया था, इसलिए उनका निर्विरोध निर्वाचित तय था। डॉ. शर्मा उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री रह चुके हैं। वर्तमान में वह उप विधान परिषद के सदस्य हैं और इनका कार्यकाल 30 जनवरी 2027 तक है। आज इस मौके पर डॉ. दिनेश शर्मा के लखनऊ विश्वविद्यालय स्थित आवास पर जश्न मनाया गया। बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए। भाजपा नेता नीरज सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल के आलवा भारी संख्या में समर्थक मौजूद रहे।

प्रदेश की बद्दहाल कानून-व्यवस्था पर बात करने से कतरा रहीं हैं राज्यपाल: कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया है कि प्रदेश की बद्दहाल कानून व्यवस्था पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी बात करने से कतरा रहीं हैं। प्रदेश में हालात कुछ इस प्रकार बन गए हैं कि अपराध की रोज हो रही घटनाओं से भयाक्रांत प्रदेश की जनता का कोई पुरसाहाल नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता श्रीवास्तव हिंदवी ने कहा कि प्रदेश के सीने पर रोज हो रहे अपराधों पर कांग्रेस पार्टी बहुत ही चिंतित है। इन्होंने सब मुद्दों खास तौर पर अयोध्या में सरयू एक्सप्रेस (ट्रेन) में प्रदेश की महिला कांस्टेबल के साथ घटी दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर राज्यपाल के ध्यान आकृष्ट कराने के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी का एक प्रतिनिधि मंडल 7 सितम्बर 2023 को उनसे मिलने के लिए समय मांगा था परन्तु दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि प्रतिनिधि मंडल को मिलने का समय नहीं दिया गया। अफ सोस ये है कि राज्यपाल जो कि खुद एक महिला हैं उन्होंने भी एक महिला की पीड़ा को नहीं समझा। एक ऐसे वक्त में जब प्रदेश जल रहा है, ऐसी संवेदनहीनता दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रवक्ता ने कहा कि लोकतंत्र की ताकत है विपक्ष और विपक्ष का काम है जनहित के मुद्दों पर आवाज उठाना। पिछले दो सालों में कई बार ऐसा हुआ है कि जनहित से जुड़े कई अलग-अलग मुद्दों पर कांग्रेस पार्टी ने राज्यपाल से मिलने के लिए समय मांगा परन्तु समय नहीं मिला, ऐसी अलोकतांत्रिक सोच प्रदेश के लिए घातक हो नहीं बल्कि जनविरोधी भी है।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में 17 विभागों के लगेंगे स्टॉल

● 21 सितंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी प्रदेश के पहले इंटरनेशनल ट्रेड शो का उद्घाटन

● दुनिया भर के 400 से ज्यादा बायर्स इंटरनेशनल ट्रेड शो में लेंगे हिस्सा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद अब ग्रेटर नोएडा में पहला इंटरनेशनल ट्रेड शो आयोजित करने जा रही योगी सरकार इसके माध्यम से विभिन्न विभागों के उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने का प्रयास करेगी। इसके तहत कुल 17 विभागों को आगामी 21 से 25 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपोजिशन सेंटर एंड मार्ट के विशाल परिसर में होने जा रहे इंटरनेशनल ट्रेड शो में स्टॉल लगाने की मंजूरी दे दी गई है। ये सभी स्टॉल सैकेंड फ्लोर के हॉल नंबर 2 में लगाए जाएंगे, जहां आने वाले नेशनल और इंटरनेशनल बायर्स के लिए तमाम तरह की पब्लिक एमिनिटीज का भी ख्याल रखा जाएगा।

उल्लेखनीय है कि इस इंटरनेशनल ट्रेड शो के लिए दुनिया भर के 400 से ज्यादा बायर्स ने हिस्सा लेने की पुष्टि कर दी है। ये बायर्स न सिर्फ इंटरनेशनल ट्रेड शो में हिस्सा लेंगे, बल्कि उत्तर प्रदेश के उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए संभावनाओं पर भी काम करेंगे। 21 सितंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस इंटरनेशनल ट्रेड शो का शुभारंभ करेंगी। इंटरनेशनल ट्रेड शो कुल 2088 स्क्वायर मीटर एरिया में आयोजित किया जा रहा है। इसके ले-आउट प्लान के अनुसार कुल 17 विभागों के स्टॉल को यहां इंटाल किया जाएगा। इसमें सबसे बड़ा स्टॉल

दल बदल की सिद्धान्तहीन प्रवृत्ति हारी: दीपक मिश्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी चिंतक व बौद्धिक सभा के अध्यक्ष दीपक मिश्र ने कहा कि जनता सिद्धांत: अनावश्यक, अतिरिजित व अनौचित्यपूर्ण दल-बदल के खिलाफ है। भारतीय जनता ने भारतीय जनता पार्टी को पहले मैनुपुरी लोकसभा फिर घोषी विधानसभा उपचुनाव में करारी पराजय देकर सिद्धांतों से भटकाव का दंड दिया है। घोसी में पार्टी परिवर्तन की स्वार्थी व सिद्धान्तहीन प्रवृत्ति हारी है। जनता ने सत्ता व संपत्ति के मोह में दल बदल करने वाले नेताओं एवं करवाने वाली पार्टियों को नकारने और सदैव सबक सिखाने का मन बना लिया है। श्री मिश्र ने कहा कि गैर-भाजपावाद का दौर शुरू हो रहा है। आने वाले दिनों में सार्थक व सकारात्मक बदल को गुणात्मक गति मिलेगी। भाजपा ने घोषी में निषाद व राजभर जैसी पार्टियों के माध्यम से जातिवाद जो नग्न नर्तन कियाए उससे भी जनता का रुठ होना स्वाभाविक था। सपा भी समाजवादी तौर तरीके से अपने अनुभवों व तपे तथा, नेताओं



की अगुवाई में चुनाव लड़ी और जीत हासिल की। यह समाजवादी विचारधारा व कार्यप्रवृत्ति की दलबदल प्रवृत्ति पर जीत है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी दर्शा दिया कि वे नेतृत्व के सिद्धान्तहीन निर्णयों के सहभागी नहीं बनेंगे। भाजपा नेतृत्व नेता तोड़ें व नेता थोपों की सोच बदले अन्याय मैनुपुरी व घोषी जैसे परिणामों के सदैव तैयार रहे। इस परिणाम के लिए भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ता भी साधुवाद के पात्र हैं। श्री मिश्र ने बताया कि उन्होंने इस परिणाम की पूर्व घोषणा 25 अगस्त को ही सार्वजनिक कर दी थी। अब राजनीति का युगधर्म धीरे धीरे बदल रहा है सिर्फ जातीय समीकरण पर जीतने के दिन बीत गए।

विद्युत विभाग के मजदूरों का शोषण बंद करे प्रदेश सरकार: अजय राय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश के विद्युत विभाग के आउटसोर्स मजदूरों पर हो रहे शोषण के विरुद्ध अपना विरोध जताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर निवेदन किया है कि विद्युत विभाग के मजदूरों की समस्याओं को सुनकर जल्द से जल्द निवारण कर उनके कष्टों को दूर करने का काम किया जाए। पत्र के माध्यम से राय ने आउटसोर्स मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी दर से भी कम वेतन मान पर काम करवाया जाने, कार्यदायी संस्थाओं/कंपनियों द्वारा मजदूरों का आर्थिक, शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न होने, यहां तक कि किसी

तपोभूमि चित्रकूट में हर्षोल्लास से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव



संवाददाता। चित्रकूट

भगवान राम की तपोभूमि धर्मनगरी चित्रकूट में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम रही। श्री कृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर भगवान श्री कामतानाथ व बंके बिहारी मंदिर को फूल बंगला और रंगीन लाइटों से सजाया गया था। रात 12 बजे ही पूरी धर्म नगरी श्रीकृष्ण के जयकारों से गुंज उठी। वहीं इस्कान द्वारा कृष्णकुंज में बड़े ही धूमधाम से श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का पर्व मनाया गया। इसके अलावा पुलिस थाना में भी जन्माष्टमी पर विशेष आयोजन किये गये। धर्मनगरी चित्रकूट के कामदगिरि परिक्रमा में स्थित सुप्रसिद्ध

● मंदिरों में रही जन्माष्टमी की धूम, सजी झाकियां

● शंख, घंटे घड़ियालों की ध्वनि से गुंज उठी तीर्थ नगरी

बांके बिहारी मंदिर, कामतानाथ प्राचीन मुखार बिंद, कामदगिरि प्रमुख द्वार समेत अन्य मठ-मंदिर भव्य तरीके से सजाए गए थे। शाम होते ही भजन-कीर्तन का दौर चला। आधी रात तक ढोलक-मजीरों की थाप भजन चले। जिला कारागार, पुलिस लाइन, थाना-चौकियों समेत घर-घर आधी रात को भगवान का

जन्म होने पर शंख, घंटा, घड़ियाल के साथ जयकारे गुंज उठे। लोगों ने विधि-विधान के साथ पूजन कर व्रत का पारण किया। वहीं एस्पी वृंदा शुक्ला, सीओ राजपुर निष्ठा उपाध्याय, एडीएम न्यायिक वंदिता श्रीवास्तव, महिला थाना प्रभारी शालिनी सिंह भदौरिया आदि ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर सहभागिता निभाई। आधी रात ठीक 12 बजे भगवान के जन्म लेते ही शंख, घंटा, घड़ियाल की गुंज उठी और लोगों ने भगवान के जयकारे लगाए। नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैयालाल की गीत के साथ विधि-विधान से लोगों ने पूजन-अर्चन किया।

17 सूत्रीय मांगों को लेकर धरने पर बैठे सदर विधायक



संवाददाता। चित्रकूट

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत चित्रकूट जिले के सदर विधायक अनिल प्रधान ने शुक्रवार को तहसील परिसर में तीन घंटे तक धरना दिया। विधायक का आरोप है कि शासन-प्रशासन द्वारा लोगों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिससे जनता में असंतोष बढ़ रहा है। धरने के बाद सपा विधायक ने सदर एएसडीएम बहादुर को अपनी मांगों से सम्बंधित 17 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। प्रधान ने बताया कि एएसडीएम ने जल्द ही मांग पत्र में शामिल समस्याओं के जल्द निराकरण का भरोसा दिलाया है। ज्ञातव्य हो कि चित्रकूट जिले की

सदर विधानसभा से सपा विधायक अनिल प्रधान को प्रशासन ने धारा 144 का हवाला देते हुए बड़े प्रदर्शन की अनुमति देने में असमर्थता जताई थी। इस पर अनिल प्रधान ने अकेले ही धरना देने की घोषणा की थी। विधायक ने आरोप लगाया कि लो वोल्टेज, अधोषित विद्युत कटौती से जिले के किसान और आमजन हलका है। सदर विधायक ने कहा कि कामदगिरि परिक्रमा मार्ग, मंदकिनी के रामघाट और ट्राफिक चौराहा समेत नगरपालिका में आने वाले इनप्लानकों में दर्शकों से रह रहे लोगों को बेघर कर दिया गया। व्यापारी रोजगार से वंचित हो गए। जबकि वे लोग हाउस टेक्स दे रहे थे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर दिखा श्रद्धा और भक्ति का संगम

संवाददाता। कानपुर देहात

भगवान योगेश्वर श्रीकृष्ण के जन्म दिन के अवसर पर गुरुवार की रात्रि को जनपद के सभी हिस्सों में भक्ति व श्रद्धा के साथ धार्मिक आयोजन किये गये। इस मौके पर लोगों ने नन्द के घर आनन्द भयो, जय कन्हैयालाल की, का जोरदार उद्घोष कर अपने उत्साह का प्रदर्शन किया।



सम्बोधित करते हुये बताया कि इस प्रकार के आयोजन वृन्दावन में देखने को मिलते हैं, रूरा कस्बे में इस प्रकार का कार्यक्रम देखकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। कार्यक्रम को व्यास महेन्द्र मिश्रा पीयूष ने भी सम्बोधित किया।

इस मौके पर प्रीति दीदी, बीके वंदना बहिन, भारती बहिन, आशीष, रामबाबू, सत्यम, शीलू, ऋषभ सहित प्रतिभागी कलाकार मौजूद रहे। मुख्य आयोजन पुलिस लाइन में आयोजित किया गया यहाँ एस्पी बीबीजीटीएस मूर्ति ने दीप

प्रज्वलित कर पूजा अर्चना की तथा जनपदवासियों को जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनायें दी, रूरा थाने में एस्ओ कपिल दुबे, सभासद आशुतोष मिश्रा छोटे भदैया की मौजूदगी में प्रख्यात व्यास व पूर्व देश विदेश में अपने समसामयिक कीर्तियों के माध्यम से क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले करकरापुर गाँव निवासी रामकुमार अंजना के पुत्र अमित अंजना की कीर्तन मण्डली द्वारा भगवान के भजनों व कीर्तनों का प्रभावी वर्णन कर माहौल को भक्ति से भरपूर कर दिया।

रूरा में बनेगा एक और अंडरपास लोगों को जाम से मिलेगी राहत



रूरा, कानपुर देहात। कस्बे सहित क्षेत्रीय

समस्याओं के लिये 24 घण्टे सजग रूरा चैनरमेन रामजी गुप्ता के प्रयासों से एक और नये अण्डरपास के निर्माण की दिशा में तेजी से काम शुरू हो गया है, पुराने निर्माणधीन अण्डरपास व पश्चिमी केबिन के बीच इस प्रस्तावित अण्डरपास के निर्माण से कस्बे सहित क्षेत्र के भारी संख्या में लोगों को आम हो चुकी जाम का समस्या से शीघ्र निजात मिलने की संभावना प्रबल हो गयी है। कस्बे के उत्तरी व दक्षिणी दिशा में दिल्ली हावडा व प्रेत कारीडोर की रेलवे लाइनों के बीच उपरिामाी सेतु का निर्माण बीते तीन वर्षों से किया जा रहा है। ओआरबी का निर्माण पश्चिमी केबिन के दक्षिणी दिशा में आवागमन के पुराने मार्ग पर ही किया जा रहा है, जबकि उत्तरी दिशा में भी मुख्य मार्ग का एक बड़ा हिस्सा ओआरबी निर्माण से प्रभावित है। पहले पश्चिमी केबिन पर दिल्ली-

हावडा मार्ग की अप व डाउन रेलवे लाइनों से ट्रेनों व मालगाडियों का आवागमन होता था, परन्तु मालगाडियों से रेलवे को अधिक लाभ उर्पाजन के चलते विशेष मालगाडी परियोजना के तहत अप व डाउन रेलवे लाइनों से भी बीते दो-तीन वर्षों से मालगाडियों का आवागमन होने लगा है। एक तो ओवरब्रिज के निर्माण के कारण संकरी हो गयी सड़क, ऊपर से पहले दो की बजाय अब चार रेलवे लाइनों से आवागमन के चलते पश्चिमी केबिन अक्सर बन्द रहता है, जिसके कारण यहाँ अक्सर लम्बा जाम लग जाता है। बीते 50 वर्षों से गन्दे नाले के पानी के निकास के लिये प्रयोग किये जा रहे पुराने अण्डरपास के निर्माण की प्रक्रिया युद्ध स्तर पर जारी है, वहीं पुराने निर्माणधीन अण्डरपास व पश्चिमी केबिन के मध्य के नये अण्डरपास के निर्माण के लिये रेलवे द्वारा सर्वे कर रिपोर्ट भेजी गयी है।

सीडीओ ने डीपीआरओ कार्यालय में पकड़ा 58 लाख 98 हजार गबन का मामला, एफआईआर दर्ज करने की तैयारी

● कम्प्यूटर आपरेटर मनोज वर्मा ने बैंक खातों में भेजी धनराशि

● गबन में संलिप्त पाये गये तीन लोगों पर दर्ज होगी एफआईआर

● सीडीओ ने गबन के मामले की जिलाधिकारी को दी जानकारी

संवाददाता। उरई, जालौन

मुख्य विकास अधिकारी भीमजी उपाध्याय ने शुक्रवार को जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय निरीक्षण दौरेन आय-व्यय रजिस्टर का अवलोकन किया तो उसमें 58 लाख 98 हजार 544 रुपये के विवर प्रसार से संबंधित था जिसे विभिन्न तारीखों में दूसरे खातों में ट्रांसफर किया गया था उस पर संदेह हुआ तो उन्होंने उसकी गहराई से जानकारी करनी शुरू कर दी। सीडीओ भीमजी उपाध्याय की संभावना उस दौरान सच साबित हो गयी जब पूरे गबन के मामले का

आ गया। उक्त खुलासे के बाद विभाग में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार मुख्य विकास अधिकारी द्वारा 6 सितंबर को डीपीआरओ कार्यालय के निरीक्षण का पत्र जारी किया था उसी के क्रम में वह शुक्रवार को डीपीआरओ कार्यालय का निरीक्षण करने पहुंचे जहां पर उन्होंने कार्यालय का बारीकी से निरीक्षण करने के बाद जब आय-व्यय का रजिस्टर मंगाया और उसका बारीकी से अवलोकन किया तो उसमें 58 लाख 98 हजार 544 रुपये के विवर प्रसार से संबंधित था जिसे विभिन्न तारीखों में दूसरे खातों में ट्रांसफर किया गया था उस पर संदेह हुआ तो उन्होंने उसकी गहराई से जानकारी करनी शुरू कर दी। सीडीओ भीमजी उपाध्याय की संभावना उस दौरान सच साबित हो गयी जब पूरे गबन के मामले का



डीपीआरओ कार्यालय में आय-व्यय का अवलोकन करते सीडीओ

देर शाम तक पूरी तरह से खुलासा हो गया। इसके बाद से ही कार्यालय में हड़कंप मच गया। 'पीआरओ कार्यालय निरीक्षण के दौरान जिस तरह से लाखों रुपयों के गबन का मामला पकड़ने के बाद देर शाम तक पूरी मामले का राजफाश किया वह कम चौंकाते वाला नहीं है। बताया गया है कि कम्प्यूटर आपरेटर से एक्वाडेट का कार्यभार संभालने वाले मनोज वर्मा द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के प्रचार प्रसार के लिये

रुपये ट्रांसफर किये। इसी प्रकार से 18.1.2023 को पुनः 35 लाख 51 हजार 544 रुपये विक्रेन्द्र साहू के खाते में ट्रांसफर किये। इस तरह से कुल 58 लाख 98 हजार 544 रुपये ट्रांसफर कर सरकारी धन का गबन अंजाम तक पहुंचा दिया।

सीडीओ भीमजी उपाध्याय ने बताया कि फौरी तौर पर डीपीआरओ कार्यालय में 58 लाख 98 हजार 544 रुपये के गबन करने के केन्द्रबिन्दु बने कम्प्यूटर आपरेटर से एक्वाडेट बने मनोज वर्मा, सफाई कर्मी से कम्प्यूटर आपरेटर बने विक्रेन्द्र साहू व शैलेंद्र कुजवाहा पर एफआईआर दर्ज करने की तैयारी की जा रही थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरे मामले की जांच के बाद ही सही तथ्यों का खुलासा होगा लेकिन अभी तक जो धनराशि गबन की गयी है उसी को आधार मानकर दौपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया जायेगा।

उन्नत नस्ली पशुधन विकसित होने पर पशुपालकों की बढ़ेगी आय: डॉ रजनीश

● अपर मुख्य सचिव ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

● लम्पी स्किन डिजीज की रोकथाम के लिए जरूरी कदम उठाने के दिव्ये निर्देश

संवाददाता। उरई, जालौन

शुक्रवार को अपर मुख्य सचिव दुग्ध विकास, मत्स्य एवं पशुधन विभाग डॉक्टर रजनीश दुबे व जिलाधिकारी चंदनी सिंह की मौजूदगी में राष्ट्रीय पशुधन एवं पशु कृषि धन आटा फर्म में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने समीक्षा के दौरान कहा कि पशुओं में तेजी से फैल रही लम्पी स्किन डिजीज को रोकने के लिए अधिकारी जरूरी कदम उठाए।



उन्होंने कहा कि लम्पी स्किन डिजीज इस बार तेजी से फैल रहा है, सर्विलेंस वैक्सीनेशन आइसोलेशन के द्वारा इस डिजीज को फैलने से रोकना जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह बीमारी आपदा का स्वरूप न बने इसके पहले संक्रमण को रोकने के सभी जरूरी कदम उठाने जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचित गोवंश का संरक्षण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर

9 सितम्बर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत कानपुर देहात। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों में चन्द्र शेखर, प्रभारी जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर देहात द्वारा समस्त न्यायिक अधिकारियों को बैठक ली गयी। जिसमें आगामी लोक अदालत को सफल बनाने के संबंध में दिशा-निर्देश दिये गये। साथ ही साथ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/नामित सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण- शिवा नन्द द्वारा 8 सितंबर को आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के संबंध में प्री-ट्रॉयल की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें नोडल अधिकारी अपर जिला जज- रजत सिन्हा एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आदि उपस्थित रहे।

वैक्सर से चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को क्रियान्वयन हेतु निर्देशित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी भीमजी उपाध्याय, परियोजना निदेशक शिवाकांत द्विवेदी, अपर निदेशक ग्रेड ज़ांसी बृज किशोर खरे, उपनिदेशक प्रक्षेत्र प्रकाश चंद्र सिंह, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अखिलेश कुमार सिंह, प्रक्षेत्र अधिकारी आटा वीरपाल सिंह आदि अधिकारी भी प्रकाश की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी पशु नस्ल विभाग में लापरवाही न बरतें।

डीएम-कमिश्नर ने प्रथम ट्रेफिक लाइट सिस्टम का किया शुभारंभ



बांदा। आयुक्त चित्रकूटधाम बांदा आरपी सिंह एवं डीएम श्रीमती दुर्गा शक्ति नागपाल ने संयुक्त रूप से बाबूलाल चौराहे में जनपद के प्रथम ट्रेफिक लाइट सिस्टम एवं यातायात पुलिस बूथ का फीता काटकर शुभारंभ किया। कहा कि जनपद बांधा में महाराणा प्रताप चौक को विकसित कर शहर को सुंदर बनाने का कार्यक्रम शुरू किया गया। इसी क्रम में बाबूलाल चौराहे का सुंदरीकरण करके ट्रेफिक लाइट सिस्टम लगाया गया है, यह जनपद बांदा के लिए नई सौगात के साथ पहला प्रयोग है। इस प्रकार कालू कुआं चौराहे का चौडीकरण एवं सुंदरीकरण किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि इसके साथ ही जनपद बांदा के सभी चौराहों पर ट्रेफिक सिग्नल सिस्टम लगाए जाने के साथ सुदरणीकरण किया जाएगा। आयुक्त ने कहा कि बांदा मंडल मुख्यालय को बेहतर बनाने के लिए जनपद के सभी चौराहों को विकसित

विवक न्यूज

वीएचपी बजरंग दल ने निकाली भव्य शोभा यात्रा

चित्रकूट। जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर विष्णु हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा विशाल शोभायात्रा एवं झांकी का भव्य आयोजन किया गया। यात्रा में श्री कृष्ण एका राधा रानी जी की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। यात्रा पुरानी कोतवाली से गऊ पूजन करके प्रारम्भ हुई। गिजनें सभी सतगणों ने भक्ति भाव में धिनीर घोषर नाचते गाते हुए जन्माष्टमी का उत्सव मनाया। धनुष चौराहे में यात्रा का समापन पूर्य संत पं (पटीप तिवारी, गुला शास्त्री, बृनेश शास्त्री, द्वार श्री कृष्ण एका राधा रानी की भव्य आरती के साथ किया गया। लीशेणो बह चढ़कर यात्रा में हिस्सा लिया एवं समापन के दौरान श्री राधा कृष्ण की आरती कर आशीर्वाद लिया।



जल जीवन मिशन पर जन जागरूकता कार्यशाला आयोजित

जल जीवन मिशन पर जन जागरूकता कार्यशाला आयोजित

फतेहपुर। जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्यक्रम आईईसी संस्था स्वजन पकडेसन लखनऊ द्वारा विकास खण्ड तेलियावाली समानाज में जनपद स्तरीय जन जागरूकता कार्यशाला का आयोजन ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अभिषेक त्रिवेदी की अध्यक्षता में किया गया। श्री त्रिवेदी ने कहा कि जल जीवन मिशन प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की महत्वाकंशी योजना है। जन जागरूकता से ही योजना सफल होगी। नामित संस्थाएं ग्राम पंचायतों में पूर्ण मनोरोग से जन जागरूकता कार्यक्रम करें। जिला सन्वयक रजमुनि यादव और स्वाति अग्रथी ने लोगों को जल संरक्षण, जल संस्थापन आदि के विषय में विस्तृत जानकारी दी। आईईसी कोऑर्डिनेटर शिवबहादुर सिंह चन्देल ने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि जल कचरे से भी निवारण करना पूर्ण संचयन से संवाचित है।

छात्राओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

कानपुर देहात। दीनदत्ता आत्माय रक्षय व्यापक विकास संस्था द्वारा प्रदेश के बेहिसब शिक्षा विभाग के सहयोग से सक्ता शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत कक्षा 6 के कक्षा 8 तक पंजीकृत समस्त छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से पीठांनन रानी लक्ष्मी बार्ड आत्मरक्षा विषयक दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विगत 3 जुलाई से संस्थान के आभिसंस्थ कार्यक्रम प्रदेश के समस्त डी.एन. / जिला गण्य विकास संस्थानों पर किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम चरण के अंतर्गत प्रदेश के समस्त उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 11000 व्यायान शिक्षकों एवं अनुदेशकों के समतन संवर्ग एवं प्रशिक्षण केंद्र हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरान्त व्यायान शिक्षक एवं अनुदेशक अपने से सम्बन्धित विद्यालयों में पंजीकृत छात्राओं को प्राथेक विद्यालय स्तर में निर्मातित अधी प्रतिदिन एक घंटे नियमित प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

दस हजार का ईनामी गैंगेस्टर एक्ट वांछित दबावा

चित्रकूट। वांछित/गांठी की गिरफ्तारी को जारी अनिश्चय में एस्पी कच्छपाणि त्रिपाठी व सीओ राजगुप्त श्रीमती निष्ठा उपाध्याय की देखरेख में प्रमाटी निरीक्षक राजगुप्त गांधकर मिश्रा व प्रमाटी निरीक्षक ससुवा दीपेन्द्र कुमार सिंह की टीम ने दस हजार रुपये के ईनामी गैंगेस्टर एक्ट के वांछित धर्मेश सोनकर पुत्र राज अश्वर सोनकर निवासी लूलाइन कस्बा राजगुप्त को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को पुलिस टीम ने गैंगेस्टर एक्ट में कार्पी दिनों से पकड़ चल रहे धर्मेश सोनकर को दबावने में सफलता प्राप्त की है। इसकी गिरफ्तारी को पुलिस अधीक्षक ने दस हजार रुपये का ईनाम घोषित कर रखा था। टीम में प्रमाटी निरीक्षक राजगुप्त गांधकर मिश्रा, प्रमाटी निरीक्षक ससुवा दीपेन्द्र कुमार सिंह व सिपाही अजय शर्मा शामिल रहे।



पंचानन चौराहे को अब लौह पुरुष के नाम से जाना जायेगा

कोच, जालौन। पंचानन चौराहे का नाम लौह पुरुष सदर बल्लभ भाई पटेल के नाम से किए जाने पर नजर पालिका परिषद द्वारा करीब 16 लाख रुपये की लागत से उक्त चौराहे का नव निर्माण करारने जाने व सदर बल्लभ भाई पटेल की विशाल प्रतिभा स्थापना हेतु शुक्रवार को क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र मिश्रन व पालिकाध्यक्ष ने कञ्चोच्छार के बीच भूमि पूजन किया। विधायक ने इस मौके पर कहा कि आगामी 31 अक्टूबर को सदर बल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर नव निर्मित चौराहे पर सदर पटेल की विशाल प्रतिभा स्थापित की जाएगी।

तमचे में दो गये जेल

चित्रकूट। थानाध्यक्ष रेणुए विलेन्द्र चन्द पाण्डेय की अगुवाई में दोगा रमेश सिंह यादव ने शिबू उर्फभानु उर्फ शिवम पुन पुन काल उर्फ राजारण निवासी रेणुए के कब्जे से एक नगवा व कार्टून 315 बोर बरामद किया है। उसके खिलाफ थाने ने आर्ब एक्ट के तहत दर्जकर जेल भेजा है।

पेज एक का शेष बाहें खोलकर...

'उचित निर्णय' लेगी। भारत के जी20 शेरपा अमिताभ कांत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 'ग्लोबल साउथ' में बहुत विश्वास रखते हैं और उन्होंने जी20 में अफ्रीकी संघ को शामिल करने के लिए सभी नेताओं को लिखा है। उन्होंने कहा कि बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है और औपचारिक रूप से यह शिखर सम्मेलन से पहले आ जाएगा। भारत ने यह भी कहा कि जी20 की उसकी अध्यक्षता मोदी के अनुरूप रही है समावेशी, महत्वाकांक्षी, कार्य-उन्मुख। कांत ने कहा कि नई दिल्ली नेताओं की घोषणा वैश्विक दक्षिण और विकासशील देशों की आवाज होगी। कांत ने कहा कि ये चार सिद्धांत हैं जिन पर हमने काम किया है। हम अपने राष्ट्रपति पद के दौरान समावेशी, कार्य-उन्मुख, महत्वाकांक्षी और बहुत निर्णायक होने के उनके दृष्टिकोण पर खरे उतरे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन लागूभग तैयार है, मैं इस पर ध्यान नहीं देना चाहूंगा क्योंकि शिखर सम्मेलन के दौरान नेताओं को इस घोषणा की सिफारिश की जाएगी और नेता इसे स्वीकार करेंगे और नेताओं द्वारा इसे स्वीकार किए जाने के बाद ही हम इस घोषणा की वास्तविक उपलब्धियों के बारे में बात कर सकेंगे। कांत ने कहा कि भारत की विविधता और संघीय ढांचे को प्रदर्शित करते हुए देश भर के 60 शहरों में 220 से अधिक जी20-संबंधित बैठकें आयोजित की गईं। लीडर्स समिट में अन्य कार्यक्रमों के अलावा तीन प्रमुख सत्र- एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य शामिल होंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार को जी20

नेताओं के सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन कर रही है। जी20 नेता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट जाएंगे। भारत वैश्विक दक्षिण की चिंताओं, यूक्रेन संघर्ष के परिणाम, निराशाजनक आर्थिक परिदृश्य और खंडित भू-राजनीतिक माहौल के बीच समावेशी विकास को बढ़ावा देने जैसे कुछ जटिल वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए शिखर सम्मेलन में लक्ष्य रेखा हासिल करने के लिए तैयार है। 10 सितंबर को, प्रधानमंत्री मोदी जी20 प्रेसीडेंसी की कमान ब्राजील के राष्ट्रपति लुला को सौंपेंगे, जिससे आधिकारिक तौर पर जी20 प्रेसीडेंसी के रूप में ब्राजील के कार्यकाल की शुरुआत होगी, जो 1 दिसंबर को शुरू होने वाला है।

जी20 शिखर...

आयुक्त (यातायात) एस एस यादव ने कहा कि चूंकि इंडिया गेट और कोव्हा पथ नियंत्रित क्षेत्र में आते हैं, इसलिए दिल्ली पुलिस लोगों से अपील करती है कि वे जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान सैर के लिए, साइकिल चलाने या पिकनिक के लिए इस क्षेत्र में नहीं आएँ। उन्होंने कहा कि डाक और चिकित्सा सेवाओं जैसे आवश्यक सेवाओं और पैथोलॉजिकल लैब द्वारा नमूना संग्रह करने की अनुमति पूरी दिल्ली में होगी। रिंग रोड (महात्मा गांधी मार्ग) के अंदर के पूरे क्षेत्र को विनियमित क्षेत्र के रूप में नामित किया गया है। इसका मतलब यह है कि केवल वहां के निवासियों, अधिकृत वाहनों, आपातकालीन वाहनों और हवाई अड्डे, पुरानी दिल्ली और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले लोगों को रिंग रोड से आगे नई दिल्ली जिले की ओर सड़क मार्ग पर जाने की अनुमति होगी। नई दिल्ली जिले में होटलों, अस्पतालों और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के लिए हाउसकीपिंग, खानपान और अपशिष्ट प्रबंधन से

जुड़े वाहनों को भी सत्यापन के बाद आने-जाने की अनुमति दी जाएगी। रविवार दोपहर दो बजे तक लगभग 16 सड़कों और जंक्शनों को नियंत्रित क्षेत्र दो माना जाएगा। इनमें डब्ल्यू-प्लाईट, ए-प्लाईट, डीडीयू मार्ग, विशास मार्ग (नोएडा लिंक रोड-पुरता रोड तक), बहादुर शाह जंजर मार्ग और दिल्ली गेट शामिल हैं। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट, पटेल चौक और आंधे आश्रम मार्ग मेट्रो स्टेशनों पर पाकिंग सुविधाएं आठ सितंबर को सुबह चार बजे से 11 सितंबर को दोपहर तक बंद रहेंगी। पुलिस के अनुसार सुप्रीम कोर्ट स्टेशन को छोड़कर सभी स्टेशनों पर मेट्रो सेवा उपलब्ध रहेगी, जहां नौ सितंबर को सुबह पांच बजे से 10 सितंबर को रात 11 बजे तक उतरने और चढ़ने की अनुमति नहीं होगी। सभी प्रकार के मालवाहक वाहन, वाणिज्यिक वाहन, अंतरराज्य बसें और दिल्ली परिवहन निगम और दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी-मॉडल ट्रांजिट सिस्टम की बसें को मधुर रोड (आश्रम चौक से आगे), भैरों रोड, पुराना किला रोड और प्रगति मैदान सुरंग के अंदर आठ सितंबर आधी रात से 10 सितंबर रात 11 बजे तक 59 मिनट तक जाने की अनुमति नहीं होगी। गाजीपुर बॉर्डर से आने वाली अंतरराज्यीय बसें आईएसबीटी सराय काले खां तक ही जाएंगी, जबकि अपसर् बॉर्डर, चिल्ला बॉर्डर, बदरपुर बॉर्डर, टिकेई बॉर्डर और सिन्धु बॉर्डर से आने वाली बसें क्रमशः आईएसबीटी कश्मीरी गेट, आईएसबीटी सराय काले खां, आश्रम चौक, पीरागढ़ी चौक और मुकरबा चौक पर यात्रा समाप्त करेंगी। दिल्ली पुलिस ने लोगों को हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशनों या बस टर्मिनलों तक आने-जाने के लिए मार्ग सुझावों को लेकर जी20 वर्चुअल हेलप् डेस्क पर वास्तविक समय की यातायात जानकारी का पालन करने की सलाह दी है। जी20 नेताओं का शिखर सम्मेलन 9-10 सितंबर को आयोजित होगा।



अमेरिका ने की यूक्रेन को 60 करोड़ डालर

●नए सहायता पैकेज की घोषणा

भाषा । वाशिंगटन

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटी ब्लिंकन के यूक्रेन दौरे के ठीक एक दिन बाद पेंटागन ने यूक्रेन के लिए दीर्घकालिक सहायता के तौर पर 60 करोड़ डॉलर के नए सहायता पैकेज की घोषणा की। विदेश मंत्री ने यात्रा के दौरान नई सैन्य एवं मानवीय सहायता के लिए एक अरब डॉलर देने का वादा भी किया गया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि नया पैकेज यूक्रेन सुरक्षा सहायता पहल के माध्यम से दिया जाएगा। इस सहायता में यूक्रेन की हवाई रक्षा प्रणालियों को बनाए रखने और एंटीकैच करने के लिए उपकरण, हार्ड मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम (एचआईएमएआरएस) के लिए गोला-बारूद, इलेक्ट्रॉनिक हथियारों से लड़े जाने वाला युद्ध और इसका सामना करने के लिए उपकरण,खदान-समाशोधन उपकरण के साथ प्रशिक्षण एवं रखरखाव आदि



रूस अपने कब्जे वाले यूक्रेनी इलाके में क्या रहा चुनाव
तार्लिन (एस्टोनिया)। रूस अपने कब्जे वाले यूक्रेनी इलाकों में चुनाव करा रहा है। इसके लिए मतदान शुक्रवार को शुरूहुआ तथा यह रविवार तक जारी रहेगा इन इलाकों पर अभी भी रूस का पूरी तरह से नियंत्रण नहीं है। रूस के कब्जे वाले इन क्षेत्रों में डोनेट्स्क, लुहन्स्क, खेर्सॉन और जाम्बुलिया शामिल है। इन क्षेत्रों में रूस द्वारा स्थापित विधान इकाइयों के लिए मतदान की प्रक्रिया शुक्रवार को शुरू हुई।यूक्रेन तथा पश्चिमी देशों ने रूस के इस कदम की निंदा की है।मानवाधिकार निकाय काउंसिल ऑफ यूरोप ने इस सलाह कस था, यह अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन है, जिसमें रूस लतावार अन्देर्जी कर रहा है। यूक्रेन की संसद ने एक बयान में कहा गया कियह मतदान यूक्रेन के लोगों के लिए खतरा पैदा करत है। यूक्रेनी सांसदों ने अन्य देशों से मतदान के परिणामों को मान्यता न देने का आग्रह किया। राजनीतिक विश्लेषक अलसब गैलियानोव ने कहा कि रूस इन इलाकों में हलात सामान्य लेने का बतन बनाए रखने केउद्देश्य से मतदान जैसा कदम उठा रहा है। रूसी अधिकारी यह दिखावा करके की पूरी कोशिश कर रहे है कि यहां सब कुछ योजना के अनुसार चल रहा है तथा सब कुछ ठीक है। डोनेट्स्क और लुहन्स्क प्रांतों में, दर्जनी स्थानीय परिषदों की सीट के लिए बड़ी संख्या में उम्मीदवार मैदान में है।

शामिल है। यूक्रेन पर रूस के हमले देश को सहयोग दे रहा है और इसके के बाद से बाइडेन प्रशासन लगातार बीच इतनी बड़ी सहायता राशि की घोषणा

जेलेस्की के गृहनगर में रूस का मिसाइल का हमला एक पुलिसकर्मी की मौत, 52 अन्य घायल

विव। मध्य यूक्रेन में राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेस्की के गृहनगर में शुक्रवार को रूस द्वारा किए गए मिसाइल हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और कम से कम 52 अन्य घायल हो गए। देश के दक्षिणी खेसोन क्षेत्र में एक अन्य हमले में तीन लोग मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि एक हमले यूक्रेन एर रूस द्वारा रातभर किए गए हमलों में शामिल है। इस बीच, रूस उन क्षेत्रों में स्थानीय चुनाव में राजनीतिक रूप से अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहा है जिन्हें रूसने अपने रूप से रूस केरसाय मिला लिया है।इनके कसू ऐसे भी इलाके है जिन एर अखर अब भी पूर्ण नियंत्रण नहीं है। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा किवह इन फर्जी चुनावों को मान्यता नहीं देता है। बीती रात हुए इन हमलों से कुछ ही दिन पहले पूर्वी यूक्रेन के एकबनाए पर किए गए हमले में 16 लोग मारे गए और रोमोनिया में ड्रेन का मलबा मिला। इससे स्थानीय लोगों ने यह डर पक गया कि युद्ध यूक्रेन से सटे नाटो के सदस्य देश में भी फैल सकता है। जेलेस्की के गृहनगर क्रीई रिबे में शुक्रवार को हुए हमले में दस इमारते नष्ट हो गईं। यूक्रेन के गृह मंत्री इवेर क्लीनोचो के अनुसार मरने से निचले गए तीन लोगों की हलात गंभीर है। क्लीनोचो द्वारा टेलीगाम पर सार्वजनिक की गई तस्वीरों में एकनगम से अग वी लपटे उठती हुई तथा आपात सेवाओं के लोग घायलों को बचाते हुए दिखे।

की गई हैं। ब्लिंकन ने बुधवार को चीन की यात्रा के दौरान घोषणा की थी कि पेंटागन उन हथियारों के लिए लगभग 17.5 करोड़ डॉलर प्रदान करेगा जिन्हें पेंटागन के भंडार से दिया जाएगा। इसके साथ ही यूक्रेन को हथियार एवं उपकरण खरीदने के लिए

अतिरिक्त 10 करोड़ डॉलर का अनुदान दिया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने बताया कि विदेश मंत्री ने इसके अलावा घोषणा की कि अमेरिका यूक्रेन को गैर हथियार संबंधित सहायता के लिए लगभग 80.5 करोड़ डॉलर देगा।

ब्रटेन: जेल से भागे सौदिय्ध आतंकी की तलाश में पुलिस ने छान मारा पूरा लंदन पार्क

लंदन। ब्रिटेन की पुलिस आतंक्वाद के आरोपों में मुक्तकों की सुनवाई की प्रतीक्षा करते समय जेल से भागे एकपूर्व सैनिककी तलाश में शुक्रवार को पूरा लंदन पार्क छान मारा। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने पुष्टि की डेंजियल आबिद खलीफी को पकड़ने के लिए लंदन के दक्षिण-पश्चिम के रिचमंड पार्क में छानबीन किए जाने की पुष्टि की। तलाशी के दौरान दो हेवीवीकटो के इस्तेमाल किए गए और जमीन पर अधिकारी भी खुश हुए।

इजराइल के गाजा निर्यात पर प्रतिबंध के फैसले की फलस्तीनी मछुआरों ने निंदा की

खान यूनिस (गाजा पट्टी)। इजराइल ने गाजा पट्टी के कब्जे वाले बेरद बैंक को खाड़ी की एक खोप में विस्फोटकों की बरतनदगी का खुलासा करने का दावा करते हुए तटीय क्षेत्र से निर्यात पर प्रभावी रूप से प्रतिबंध लगा दिया, जिसके बाद पट्टी के मुख्य आिपक्षिक क्रॉसिंग को बंद कर दिया गया। नर्यात पर प्रतिबंध लगाए जाने से सबसे ज्यादा पेशेवार लोग ने गाजा के मछुआरों की शामिल है। इन तक प्रतिबंधों ने क्षेत्र की पहले से खस्ताहल अर्थव्यवस्था को और कमजोर करने का काम किया है।

अमेरिका में 60 करोड़ डॉलर के अवैध लेन-देन के आरोप में पांच लोग गिरफ्तार

वाशिंगटन। अमेरिका में 60 करोड़ डॉलर के अवैध लेन-देन के आरोपों में पांच भारतीय-अमेरिकी नागरिकों सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अमेरिकी अदालतों फिलिप आर सेविगेर ने बताया कि गिरफ्तार भारतीय-अमेरिकियों ने राज वैद (26), रोशिया बट (51), श्रेय वैद (23) और नील पटेल (26) शामिल है तथा ए सभी न्यूयॉर्की के एडिशन के निवासी हैं। उन्होंने कहा कि मामले में गिरफ्तार पांचा व्यक्ति यूसूप जैधर (57) है, जो न्यूयॉर्क के ग्रेट नेक क्षेत्र का रहने वाला है।

अफगानिस्तान में छोड़े गए हथियार आतंक्वादियों के हकथों में चले गए हैं: पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने शुक्रवार को कहा कि युद्धग्रस्त अफगानिस्तान से वापसी के दौरान अमेरिकी सैनिकों ने जिन हथियारों को वही छोड़ दिया था, वे अब आतंकियों के हाथों में चले गए हैं। इसके साथ ही पाकिस्तान ने विश्व का ध्यान इस मुद्दे पर आकूर करने का प्रयास किया। विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुताजम जहस बलूच ने साप्ताहिकब्रीफिंग में यह बात कही। दो दिन पहले ही अफगानिस्तान के विद्रोहियों ने एक सैन्य चौकी पर हमला किया था जिसने चार पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई थी।

नेपाली सांसदों ने चिंता जताई कम्गडां। नेपाल के सांसदों ने भारत और नेपाल के बीच व्यापार संबंध को तेजतर्र चीनी राजदूत की विवाददायक टिप्पणियों पर शुक्रवार को विता व्यक्त की और राजदूत को अन्य देशों केसंवेदनशील मामलों पर टिप्पणी करते समय अधिक सावधान रहने की टिपतानी दी

नेपाल भाग्यशाली है कि उसके पास भारत जैसे पड़ोसी है : सऊद क्दमगडां। विदेश मंत्री नारायणा प्रमदा सऊद ने कहा है कि नेपाल भाग्यशाली है कि उसके पास भारत जैसे पड़ोसी है, जिन्होंने हिमालय और उदयकोशीको के विकास में योगदान दिया है। विदेश मंत्री ने 3.7 करोड़ नेपाली रपय की भारतीय अनुदान सहायता के तहत पूर्वी नेपाल में अनुचित हिमालय किष्ण पब्लिक वेंचर्स की एक नई इमारत का भारत के राजदूत नवीन श्रिवास्तव के साथ संयुक्त रूप से उद्घाटन करते हुए यह बात कही।

मोदी ने संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता के लिए संयुक्त प्रयास की वकालत की

● पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में लिया भाग

भाषा । जकार्ता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को मजबूत करने के लिए संधित्व प्रयास किए जाने का बृहस्पतिवार को आह्वाण किया। मोदी ने पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का मानना है कि दक्षिण चीन सागर के लिए आचार संहिता प्रभावी होनी चाहिए और यह संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएसएसीओएस) के अनुरूप होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने भूराजनीतिक संघर्षों का उल्लेख करते हुए दोहराया कि आज का युग युद्ध का नहीं है और संवाद एक एकमात्र रास्ता है। मोदी ने कहा कि आतंकवाद, अतिवाद और भूराजनीतिक संघर्ष हम सभी के लिए बड़ी चुनौतियाँ हैं और वर्तमान वैश्विक परिदृश्य चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और अनिश्चितताओं से घिरा हुआ है। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पूरी तरह से



पालन करना अनिवार्य है और सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को मजबूत करने के लिए सभी की प्रतिबद्धता और संयुक्त प्रयास भी आवश्यक हैं। मोदी ने कहा, जैसा कि मैंने पहले कहा है – आज का युग युद्ध का नहीं है। समाधान का एकमात्र रास्ता संवाद और कूटनीति है। पिछले साल 16 सितंबर को उज्बेकिस्तानी शहर समरकंद में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक में मोदी ने कहा था, आज का युग युद्ध का नहीं है और रूसी नेता को संकेत संघर्ष समाप्त करने के लिए प्रेरित किया। रूस और सुरक्षा से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन एशिया-प्रशांत क्षेत्र का प्रमुख मंच है। वर्ष 2005 में गठन के

जी20 के लिए दिल्ली दौरा, भारत के दामाद के रूप में मेरे लिए खास है : सुनक

भाषा । लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भारत का दामाद बनाए जाने के संदर्भ में कहा कि जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली का उनका दौरा बहुत महत्व देता है। माओ ने प्रधानमंत्री बनने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति सुनक की शादी अश्वता मूर्ति से हुई है। नई दिल्ली की अपनी उड़ान में प्रकाशों से बातचीत में सुनक (43) ने कहा कि वह भारत आने को लेकर उत्साहित है एक ऐसा देश जो मेरे लिए बहुत करीब आया प्रिय है। इस यात्रा में सुनक के साथ उनकी पत्नी और इंधोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति की बेटी भी



शामिल हैं। सुनक का शिखर सम्मेलन के दूसरे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता का कार्यक्रम है। सुनक ने तीन दिवसीय दौरे के लिए खाना होने से पहले एक्स पर पोस्ट में कहा, मैं स्पष्ट फोकस के साथ जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेना चाह हूं।

माली में सैन्य शिविर पर हमला

बमाको (माली)। माली के अशांत उत्तरी क्षेत्र में शुक्रवार को एक सैन्य शिविर पर हमला हुआ। यह हमला अल-कायदा से संबंधित विद्रोहियों के दो हमलों के एक दिन बाद हुआ है जिनमें 49 नागरिकों और 15 सैनिकों की मौत हो गई थी। सुरक्षाबलों ने माली के गाओ क्षेत्र में सैन्य शिविर पर हुए हमले के बारे में एक संक्षिप्त बयान में कहा, हमले में प्रतिक्रिया और आकलन का कार्य प्रगति पर है। सरकारी टेलीविजन ने सैन्य शासन के बयान के हवाले से बताया था कि विद्रोहियों ने बृहस्पतिवार को नाइजर नदी पर टिम्बक्टू शहर के पास एक यात्री नाव और गाओ क्षेत्र के बंबा में एक सैन्य ठिकाने को निशाना बनाया। इसमें बताया गया कि इन हमलों को जिम्मेदारी इस्लामी चरमपंथी विद्रोही समूह जेयआईएम ने ली है जो अल-कायदा से संबद्ध है। टिम्बक्टू से 55 मील लगभग 90 किलोमीटर यानी 6.5 मील दूर जारहो गांव के पास नौका पर हमला किया गया। माली की सरकार ने बताया कि सुरक्षाबलों की इन हमलों को लेकर जबकी कार्रवाई में करीब 50 हमलावर मारे गए हैं।

विक न्यूज़

महाराजा चार्ल्स, प्रधानमंत्री सुनक ने महाराणी एलिजाबेथ द्वितीय को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

लंदन। ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय और प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने शुक्रवार को दिवंगत महाराणी एलिजाबेथ द्वितीय की पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी तथा राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण और सेवा की प्रशंसा की। देश में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली महाराणी एलिजाबेथ द्वितीय का पिछले साल आठ सितंबर को 96 वर्ष की आयु में निधन हो गया। स्कॉटिश महल-बाल्मोरल कैसल में चार्ल्स की मां ने अंतिम सांस ली थी। चार्ल्स ने एक बयान में उम्मीनी का गे निघन के बाद उनके और उनकी पत्नी एनी मैगिल के लिए दिखाए गए प्यार और समर्पण को लेकर लोगों को धन्यवाद दिया। ब्रिटेन के राजनिवास बकिंगम हिलेस में पूर्व में घोषणा की थी कि शाही जोड़ स महत्वपूर्ण अवसर को निगनी तौर पर मनाएगा। पुण्यतिथि पर सार्वजनिककार्यक्रमों के बीच महाराजा के शासन के पहले वर्ष को चिह्नित करने के उद्देश्यके लिए उन्हें राती भी बनाई जागी। चार्ल्स ने अपने संदेश में कहा, महाराणी के निधन की पहली पुण्यतिथि और मेरी ताजपोशी के अवसर पर, हम उनके लंबे जीवन, समर्पित सेवा और वह सब कुछ जो हमने से कई लोगों के लिए मान्य रखता था, को बड़े स्कोर केसाथ याद करते है।

पाकिस्तान: सिंध प्रांत में अपहरण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हिंदुओं पर पुलिस का लाठीचार्ज, कई घायल
कच्छ। पाकिस्तान के हिंदू समुदाय और अन्य लोगों के कई सदस्य बृहस्पतिवार को उस समय घायल से गए जब सिंध प्रांत ने पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया। प्रदर्शनकारी पिंश्ती के लिए हिंदू व्यापारियों और अवसंस्थक समुदायों के अन्य लोगों के आग्रहों के बहते मामलों के खिलाफ धरना दे रहे थे। सिंध प्रांत के वशानो ने नदी क्षेत्रों में डाकुओं द्वारा अपसंस्थक समुदाय के कुछ सदस्यों के अपहरण को लेकर सत्याग्रह के सदस्य एक सितंबर से विविध प्रकलन कर रहे हैं। विपक्षियों ने बृहस्पतिवार को भी अज्ञात धमकी रखी। पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के एक प्रवक्तावाली नेता के हस्तक्षेप के बावजूद प्रदर्शनकारियों के धरना समाप्त करने से इनकार करने पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया जिससे कुछ लोग घायल हो गए। समुदाय के सदस्य शिव वरुषी ने टीलेप्राई-भाषा को बताया, पूर्व मंत्री और पीपीपी के प्रमदाशाली नेता अहसान जंगारी प्रदर्शनकारियों केसाथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए शुरू ने उनके साथ शामिल हुए और दो अदृष्ट हिंदू व्यापारियों को डकैती के कब्जे से मुक्त कराया।

यूक्रेन पर सरकार के रख से विपक्ष सहमत: राहुल गांधी

ब्रसेल्स। वॉशिंग के पूर्व अयध्य राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि भारत का विपक्ष रूस-यूक्रेन संघर्ष पर केंद्र सरकार के मौजूदा रथ से क्रूर गिलावकर सहमत है। विपक्ष देश होने के कारण यह भारत के लिए व्यापारिक है कि वह दुनिया भर के देशों केसाथ द्विपक्षीय संबंध रखे।

ब्रसेल्स के प्रसेे लारब में संवाददाता एमेलिन के दौरान उनसे यूक्रेनी समाचार पत्रिका के संवाददाता ने रूस-यूक्रेन संघर्ष पर मोदी सरकार द्वारा अपना गृह सचु हुए रखे के बारे में सवाल किया।राहुल गांधी ने जवाब दिया, ‘मुझे लगता है कि विपक्ष सही तरह पर भारत सरकार के वर्तमान रथ से क्रूर गिलावकर सहमत होगा। उन्होंने कहा, रूस केसाथ हमारा रिश्ता है और मुझे नहीं लगता कि सरकार वर्तमान में जो चीज अपना रही है, उससे विपक्ष का कोई अलग दृष्टिकोण होगा।

<p>सनेह इंसिटियूटल इन्वैस्टमेट लिमिटेड</p> <p>पंजीकृत कार्यालय - डरेन सारन, 4801, मडरा राग रोड 24, दीवकास, नई दिल्ली-110002 (भारत) फोन - 91 011 22273507, 101अईएन - 4474495डिरेक्शन108000लीड060079</p>	
<p>एक्टद्वारा चयुन की जाती है कि कम्पनी की 43वीं साधारण बैठक (एजीएम) सितंबर, 2014 को अतः 1.00 बजे कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय - डरेन सारन, 4801, मडरा राग रोड 24, दीवकास, नई दिल्ली-110002 में प्रथम विधानिका 14-08-2023 में पंजीकृत व्यवसायियों के निष्पत्तन हेतु आमंत्रित की जाएगी, जोकि पहले से 04-08-2023 को सभी शेयरधारकों को अधिसूचित कर के, कम्पनी के पास पंजीकृत उम्मीदी न-वेन के अर्थो, सर्चि उम्मीदी/उम्मीदी न-वेन आरडी कम्पनी के पास पंजीकृत है तथा कुरियर द्वारा भेजी जा चुकी है, सर्चि उम्मीदी/उम्मीदी न-वेन आरडी कम्पनी के पास है। एक्टद्वारा कम्पनी निष्पत्तन, 2014 की धारा 61 के साथ पठित कम्पनी (व्यवहार एवं संबन्ध) विनियमन, 2014 में विधान 10 के अनुसरण में यह भी संभव है जहाँ भी सार्वजनिक के सदस्यों की पहिचान तथा शेयर हस्तांतरण बाबत 23 विधान, 2023 से 30 विधान, 2023 तक (दोनों दिनां सहित) एक बंध रहेगी। कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 108 के साथ पठित कम्पनी (व्यवहार एवं संबन्ध) विनियमन, 2014 में विधान 20 और 21 से भी (एस्कॉकीडर) विधानियम, 2015 के विधान 44 के प्रभारों के अनुसरण में, कम्पनी ने 43वीं वार्षिक साधारण बैठक की प्रथम वार्ता में वार्षिक वार्षिक व्यवसाय वरों का निष्पत्तन करने हेतु सौकीयस्वत के माध्यम से ई-वोटिंग सुविधा प्रदान की है, ताकि सदस्यवगण अपना वोट इलेक्ट्रॉनिक विधि से डाल सकें। रिपोट ई-वोटिंग सुधार, 27 सितम्बर 2023 (पूर्व, 10.00 बजे) जांच होती तथा सुधार, 29 सितम्बर 2023 (अप, 5.00 बजे) अंत तक। उसा अधिच पर समय के बरत ई-वोटिंग की अनुमति नहीं होती। श्री एच.पी. रॉय, सानी - मैसर्स एवोटाइंग रोक कम्पनी, व्यवसाय कम्पनी कंटेनरटी डी.के.ई-वोटिंग प्रक्रिया के लिए संश्लेषिक निष्पत्तन किया गया है। जो सदस्य रिपोट ई-वोटिंग से अपना वोट डाल चुके होंगे, वे भी बैठक में भाग ले सकते हैं, परंतु उनके वोटवर वोट करने का अधिकार नहीं होगा। जो सदस्य रिपोट ई-वोटिंग में अपना वोट नहीं डाल चुके होंगे, वे रिपोटिंग में भाग ले सकते हैं। एसा प्रतिपक्ष के सदस्यों को इस्तरा करने की इजाजत होगी। कोई व्यक्ति विद्यमान सार-आविधि अधिचि अन्याय 23 विधान, 2023 को सदस्यों की पहिचान/कामगार पहिचानों की पहिचान में यदि गंभीर होगा, केवल सभी रिपोट ई-वोटिंग की सुविधा से प्राप्त पुण्यत्त में मारपर द्वारा वोटिंग का हकार होगा। कोई व्यक्ति, जो बैठक की सूचना के प्रेषण में सार कम्पनी का सदस्य बनता है और कॉड-वॉच विधि ब्यापत 23 विधान, 2023 को शेयरधारक है, वह बैठक की सूचना में दी गई प्रक्रिया का पालन कर चुके आरडी तथा पारदर्श प्रत्य कर सकता है। रिपोट ई-वोटिंग के संबंध में कोई भी सार/शिकायती शालेषि विवर, कम्पनी की वेबसाइट को कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय के वेब पर; ई-मेल : sanehitd@gmail.com; फोन : 91 011-22273507 पर भेजी जा सकती है अथवा आप www.evotingindia.com के हेम पेजेशन में उपलब्ध शेयरधारकों हेतु रिपोट ई-वोटिंग सुधार नियुजन देख सकते हैं।</p>	
<p>सारे सनेह इंसिटियूटल इन्वैस्टमेट लिमिटेड द्वारा / विदेश के मुद्रा निवेशक) तिथि : 08-09-2023 स्थान : नई दिल्ली</p>	

<p>कृष्णा कॉन्ट्रीनेंटल लिमिटेड</p> <p>पंजी. कार्यालय : 31-32, कम्पुटिटी सेंटर, साकेत, नई दिल्ली-110017 फोन नंबर : 011-40543333, ई-मेल : Legal@gllgroup.in, सीआरडीए : मुद्दे5101वीएन198/1/एअरसी012543</p>	
<p>एक्टद्वारा चयुन की जाती है कि कम्पनी की 41वीं साधारण बैठक (एजीएम) सितवार, 30 सितम्बर, 2023 को अतः 10.30 बजे आइएसीटी 31-32, कम्पुटिटी सेंटर, साकेत, नई दिल्ली-110017 में निम्नवर्तिग व्यवसाय के निष्पत्तन हेतु आमंत्रित की जाएगी।</p> <p>साधारण व्यवसाय</p> <p>1. 31 मार्च, 2023 के अनुसार कम्पनी का लेखापरीक्षित तुलनपत्र और सार एवं हानि लेखा, उसके संबंध में निर्देशकों की रिपोट तथा लेखापरीक्षा क रिपोर्ट सहित प्राप्त कर, विचार करने और स्वीकार करना।</p> <p>2. श्री कम्पा मित्रा के स्थान पर निर्देशक नियुक्त करना, कम्पुटिटी संचित प्राप्त कर, विचार करने और पुनर्-नियुक्ति के लिए स्वयं को प्रस्तुत करने हेतु ग्राह्य हैं।</p> <p>नोंदः</p> <p>1. कोई सदस्य, जो बैठक में उपस्थित होने तथा वोट देने का हकार है, वह उपस्थित होने तथा मतदान में बोट देने से लिए स्वयं को स्थान पर परीक्षी नियुक्त करने का हकार है। ऐसा परीक्षी कम्पनी का सदस्य होना आवश्यक नहीं है। परीक्षी उसके प्रभावी होने के ज्ञान में कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय में बैठक आरंभ होने से कम से कम 48 घंटे पूर्व प्राप्त हो जाना चाहिए। कोई व्यक्ति, जो पचास से अधिक नहीं है तथा कम्पनी की कुल शेयर पूंजी में कम दस प्रतिशत से अधिक का धारक नहीं है, सदस्यों की ओर से परीक्षी के रूप में कार्य कर सकता है। कोई व्यक्ति, जो कम्पनी की कुल शेयर पूंजी में कम दस प्रतिशत से अधिक का धारक है, एक सैन्य व्यक्ति को परीक्षी के रूप में नियुक्त कर सकता है तथा ससा व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति अपना शेयरधारक के लिए परीक्षी के रूप में कार्य नहीं करेगा।</p> <p>2. सदस्य दस्तावेज, जो संलग्न सूचना में संदर्भित है तथा अधिनियम की धारा 102 के अनुसरण में निर्देशक के लिए कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय में और उसकी प्रित्यां प्राथमिक कार्यालय में वार्षिक साधार्य बैठक (एजीएम) तक उरा तिथि सहित परीरक प्राप्त दिरसर का सामान्य व्यवसाय अवधि में (पूर्व, 11.00 बजे से अप. 1.00 बजे के बीच) उपलब्ध हो इंगरी।</p> <p>3. रिपोट ई-वोटिंग प्रक्रिया का संकलन/प्राधिकार, रिसेस उनकी ओर से एजीएम में भाग लेने, रिपोट ई-वोटिंग द्वारा वोट करने हेतु उनके प्रतिनिधि के रूप में प्राधिकृत किया गया हो, सौकीक को sonias.agardwal7@gmail.com पर ई-मेल द्वारा भेजना होगा, जिसकी प्रति एक्टद्वारा की evoting.nsdl.co.in पर अधिच की गई हो।</p> <p>4. कम्पनी के सदस्यों का सविस्तर तथा शेयर हस्तांतरण बाबत रविवार, 24 सितम्बर, 2023 से शुक्रवार, 30 सितम्बर, 2023 (दोनों तिथियों सहित) एक बंध रहेगी।</p> <p>5. वितीय बर्ष 2022-23 हेतु वार्षिक रिपोट, 44वीं एजीएम की सूचना की इलेक्ट्रॉनिक प्रति प्रथम पूर्वी तथा परीक्षी प्रथ संचित उर सगी सदस्यों के ई-मेल की जा रही है, जिन्का ई-मेल तथा कम्पनी/शिपीटिटी पार्टिडिप्लस के पास पंजीकृत है, 44वीं एजीएम की कम्पनी की सीकित प्रथम पूर्वी तथा परीक्षी प्रथ संचित उर सदस्यों की जा रही है, जिन्का ई-मेल तथा कम्पनी/शिपीटिटी पार्टिडिप्लस के पास पंजीकृत नहीं है। वितीय बर्ष 2022-23 हेतु वार्षिक रिपोट, 44वीं एजीएम की सूचना कम्पनी की वेबसाइट www.silverferasindia.com पर भी उपलब्ध होगी। एजीएम की सूचना शेअरन सिवावरीडिज शिपीटिटी लिमिटेड ("एक्टद्वाराचर") के वेबसाइट www.evoting.nsdl.com पर भी उपलब्ध है।</p> <p>6. एक्टद्व-2 की अपेक्षाएतु मार्ग मानचित्र तथा बैठक के स्थान का प्रमुख हवाला विचार और उपस्थिति चर्ची तथा परीक्षी प्रथम ईए रिपोट के साथ संलग्न है। सदस्यों से बैठक में अपनी उपस्थिति चर्ची तथा वार्षिक रिपोट की प्रति सारा लेना का अनुरोध है, वार्षिक वार्षिक रिपोट में निष्पत्तन के लिए उपलब्ध नहीं होगी।</p> <p>7. जिन सदस्यों ने अपना ई-मेल तथा अपनी कस पंजीकृत नहीं करवाया है, उनके अनुरोध है कि कम्पनी से वार्षिक रिपोट, सूचनाओं, सफलर हवासी सहित सभी संदेश इलेक्ट्रॉनिक विधि से प्राप्त करने के लिए अपना ई-मेल तथा पंजीकृत करवा सें।</p> <p>8. जिन सदस्यों के मामले में, जिस्का नाम, कम्पनी के सदस्यों के रजिस्टर के अनुसार नामों के ज्ञान में प्रथम फारके के रूप में दृष्ट है, एजीएम में बोट डारने का हकार होगा।</p> <p>9. संचित धारकों से कम्पनी को 24 सितम्बर, 2023 को अपना पूर annual@silverferasindia.com पर ई-मेल भेजने का अनुरोध किया जाता है। कम्पनी द्वारा उसका मालिकता प्रदर्शन किया जाएगा।</p> <p>सूचें कृष्णा कॉन्ट्रीनेंटल लिमिटेड द्वारा / इस्तरा करने के निदेशक</p>	
<p>तिथि : 08-09-2023 सीआरडीए : 07315385</p>	



नई दिल्ली में जी-20 की बैठक में पहुंचे चीन के पीएचएम, तुर्किये, ब्राजील के राष्ट्रपति व बांग्लादेश की पीएएम भारत के पीएम मोदी से बात करते



ब्राजील के राष्ट्रपति बुला

विवक न्यूज
तेलंगाना की राज्यापाल ने सनातन धर्म के खिलाफ टिप्पणियों की तीका मी

हैदराबाद। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने सनातन धर्म के खिलाफ तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन और अन्य की टिप्पणियों की खूबकार को निंदित की। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें भारत का नागरिक होने पर गर्व है। सनातन धर्म पर उदयनिधि स्टालिन और तमिलनाडु के अन्य नेताओं की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इसे (तमिलनाडु में सुखे लोगो द्वारा) इस तरह पेश किया गया जैसे कि सनातन का मतलब जाति व्यवस्था है। उन्होंने कहा, चूंकि मैं स्वयं तमिलनाडु से हूँ और मैं वैधानिक रूप से उसके खिलाफ हूँ। राज्यपाल ने कहा, ऐसे लोगों की संख्या कम है जो उस विचारधारा से विश्वास करते हैं, उसका अनुसरण करते हैं और यह जीवन का एक अनुशासित तरीका है। वे सोचते हैं कि सनातन का मतलब केवल जाति व्यवस्था है। वे उसे केवल उसी तरह से पेश करते हैं। बहुत सारी अच्छी चीजें हैं। सोंदरराजन ने कहा, राजनीतिक रूप से, उन्हें इस तरह की बातों से परहेज होना है।

नासिक जिले में कर बस से टकराई, चार की जान गई

नासिका महाराष्ट्र के नासिक जिले में शुक्रवार दोपहर को राज्य सड़क परिवहन निगम (एएएसआरटीसी) की एक बस से एक कार के टक्कर जाने से उमने (चार) की सवार चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने इरवीक गांववादी पी। पुलिस ने बताया कि अपघटन करीब चार बजे जिले के पेठे ताकूम में कचराजली गांव के समीप नासिक वलसांड रोड पर एक मोड़ पर यह हादसा हुआ। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि निगम की बस पेठे से पुरो जा रही थी जबकि कार नासिक से गुमराह के सूत की ओर जा रही थी। उन्होंने बताया कि कार में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो ने घायल भिना अस्पताल में दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि चारों की पहचान नहीं हो पाई है।

प्रियंवक गांधी 10 सितंबर को टोक के निवाड़ी में जनसभा को संबोधित करेगी

नएपूर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) महासचिव प्रियंवक गांधी वादा 10 सितंबर को राजस्थान के टोक जिले के निवाड़ी में एक जनसभा को संबोधित करेगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार शाम जनसभा स्थल का दौरा किया। गहलोत ने कहा कि इस दिन राज्य के वाणिज्य इलाकों में इटिटा स्पोर्ट्स योजना के तहत एक साथ 300 स्पोर्ट्स की शुभारंभ होगी। इससे पहले पार्टी के प्रिंसिपल सेक्टर के निवाड़ी में शिवांग गहन नौजुदा और पूर्ण विधायक तथा मंत्रियों की यात्रिकाओं को संबोधित करेगी। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव स्वर्णिम चट्टोपदी ने बताया कि वादा 10 सितंबर को इलाहाबाद में स्थित विद्यमान मंडल स्कूल के प्रांगण में जनसभा को संबोधित करेगी। इस अवसर पर पार्टी के राजस्थान प्रभारी सुखदेवि सिंह धंधावा, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोकसरा, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी नौजुदा रहेंगे। गहलोत शुक्रवार शाम निवाड़ी पहुंचे और सभा स्थल का दौरा किया।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सिद्धरमैया के खिलाफ मामले की कार्यवाही पर रोक लगाई

बेगलूर। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के खिलाफ दर्ज एक मामले की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी है। वर्ष 2022 में मंत्रिमंडल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता केएस. ईश्वरप्पा के इस्तीफे की मांग को लेकर यह विरोध मार्च आयोजित करने के लिए विपक्ष के तत्कालीन नेता सिद्धरमैया के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। सिद्धरमैया ने कांग्रेस मजल से तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोमराई के आवास तक विरोध मार्च का नेतृत्व किया था। इस मामले को रद्द करने की मांग करते हुए सिद्धरमैया की ओर से दायर की गई आपराधिक याचिका पर विरोध पीठ ने सुनवाई की शिवांग गहन नौजुदा और पूर्ण विधायक तथा मंत्रियों की यात्रिकाओं की सुनवाई के लिए किया गया है। धारवाड़ ने उच्च न्यायालय की पीठ ने न्यायमूर्ति एन नागप्रसाद ने आज याचिका पर सुनवाई की। याचिकाकर्ता के वकील की दलीलें सुनने के बाद पीठ ने सुनवाई की अगली तारीख 15 सितंबर तक मामले को कार्यवाही पर रोक लगा दी। सिद्धरमैया के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने 14 अक्टू. 2022 को विरोध प्रदर्शन किया था। पार्टी ने आरोप लगाया था कि देवदार संतोषा पाटिल की आत्महत्या के लिए ईश्वरप्पा जिम्मेदार थे। उसने उनके इस्तीफे की मांग की थी। इस संबंध में यश हैराडूस पुलिस थाने ने परदर्शनकारियों के खिलाफ जातायात ने बाधा डालने और चालन-व्यवस्था बिगाड़ने के आरोपों ने एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

उच्च न्यायालय ने भाट्टाचार के मामले में मंत्री पेरियासामी के खिलाफ पुनरीक्षण मामला शुरू किया

चेन्नई। उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को टैरिफ कमशन (ट्रैफिक) नीत सक्कर ने मंत्री आई पेरियासामी को इस साल मार्च में निचली अदालत द्वारा सक्कार के एक मामले से आरोपमुक्त किए जाने के बाद शुरू किया गया एक आपराधिक पुनरीक्षण मामला में नोटिस जारी किया। इस तब, अदालत ने मंत्रियों के पोलनुडी, रांगम ठेगारासु और चेंबेरसेएसआर समुद्रान के खिलाफ अब तक के मामले में सुनवाई शुरू की है। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड मुनेत्र कळम (अन्नाद्रमुक) से निष्ठासहित नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीसेल्वम और पार्टी की वरिष्ठ पाठविकारी एवं पूर्व मंत्री भी वाराणसी के खिलाफ पुनरीक्षण मामला भी शुरू किया है। दस प्रक्रिया संविदा (सीआरपीसी) की धारा 397 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, न्यायमूर्ति एन आनंद वेट्टेरा ने स्वतः-संज्ञान लेकर पेरियासामी के खिलाफ आपराधिक पुनरीक्षण मामला शुरू किया और उनका सक्कार को भी नोटिस जारी किया। पेरियासामी राज्य के वाणिज्य विकास मंत्री हैं। अगस्तोजन पक्ष का मामला यह था कि पेरियासामी ने तमिलनाडु हाउसिंग बोर्ड की गमीन को ईमानदार सक्कारी सेवक कोट के तहत गोपेशन को आविर्तित करके वरीत तौर पर आर्थिक लाभ प्राप्त किया था, तब मंत्री के पास 2008 में आवास विभाग का कार्यका था।

हाई-परफॉर्मेंस फोन की मांग बढ़ी

नई दिल्ली। हाई-परफॉर्मेंस स्मार्टफोन ब्रांड आइफोन की पहले दिन ही स्मार्टफोन इस सेगमेंट में अनेशन पर सबसे ज्यादा बिकने वाला नंबर 1 स्मार्टफोन बन गया है। आइफोन इंडिया के चीफ एजीक्युटिव ऑफिसर निपुन गांधी ने कहा, कि हम जैड 7 प्रो पर अपने वाहकों की प्रतिक्रिया देखकर बेस्ट सुझ है कि यह बिकने के पहले दिन अनेशन पर बेस्टसेलर स्मार्टफोन बन गया है। यह वाहकों में हमारे नैजमी कस्ट्यूमर्स को शानदार तकनीक और बढ़िया इनोवेशन देने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है। हमारा विश्वास है कि आइफोन जैड7 प्रो, जो थाणुवट डिजाइन के साथ खास उन लोगों के लिए बनाया गया है, जो परफॉर्मेंस पर ध्यान देते हैं, यह निश्चित रूप से हमारे युवा वाहकों का दिल जीतगा और इस फेरेगरी का सबसे अच्छा स्मार्टफोन होने का अनुभव प्रदान करेगा। हम अपने कस्ट्यूमर्स से मिलने वाले सकारात्मक फीडबैक की सहायता करते हैं जो हमें भविष्य में और भी ज्यादा इनोवेटिव प्रोडक्ट और टेक्नोलॉजी लाने के लिए हमें प्रेरित करते हैं।

चंद्रयान-3 पर लॉन्ग बुक लॉन्ग

मुंबई। नवनीत एजुकेशन लिमिटेड के युवा ब्रांड ने अंतरिष्ठ अन्वेषण के क्षेत्र में भारत की ऐतिहासिक चंद्र लैंडिंग के नौके पर गर्व से लिमिटेड एडिशन चंद्रयान-3 लॉन्ग बुकका लॉन्च किया है। चंद्रयान-3 मिशन ने शानदार सफलता के साथ ने इस खास पल को मनाने के लिए यह खास बुक प्रकाश करवाई है। युवा के मुख्य राजनीति अधिकारी अभिजीत साय्याल ने कहा कि हमारे लिए भारत के युवाओं को प्रेरित करना सिर्फ एक प्रतिबद्धता ही नहीं, बल्कि एक नुजून है। हम ज्ञान की ताकत और युवा मन की असीमित शक्तों में विश्वास करते हैं। चंद्रयान-3 लॉन्ग बुक भारत के नौजवानों के अपराजेय जस के सलाम है। हमें उम्मीद है कि ये बुक ने केवल हमारी अंतरिष्ठ उपलब्धियों में नुगत्यान धारणा प्रदान करेगी, बल्कि साथ ही हरे युवा भारतीय के भीतर जिज्ञासा और महत्वाकांक्षा की ज्वाला बढ़ाएगी। यह लिमिटेड एडिशन 14 बुक का आकार और डिजाइन चंद्रयान-3 मिशन की थीम की आकर्षक दुनिया की एक झलक प्रदान करने के लिए बनाई गई है। चंद्रयान.3 लॉन्ग बुकस अब भारत के बुनित राहकों में दुकानों पर उपलब्ध है। नवनअ सभी को इन खास बुक को प्राप्त करने और अंतरिष्ठ विज्ञान में भारत की ऐतिहासिक उपलब्धियों के जलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता है।

भारत ग्लोबल साउथ की आवाज उठाने के लिए प्रतिबद्ध: मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी20 शिखर सम्मेलन से पहले अपनी पहली द्विपक्षीय बैठक में शुक्रवार को यहां मॉरीशस के अपने समकक्ष प्रविंद जगन्नाथ से बातचीत की और ग्लोबल साउथ की आवाज आगे बढ़ाने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ और मेरी बहुत अच्छी मुलाकात हुई। यह भारत-मॉरीशस के संबंधों के लिए विशेष वर्ष है, क्योंकि हमारे कूटनीतिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे हुए हैं। हमने अवसरचतना, फिनटेक, संस्कृति और अन्य क्षेत्रों में सहयोग पर विचार-विमर्श किया। ग्लोबल साउथ की आवाज आगे बढ़ाने की भारत की प्रतिबद्धता भी दोहराई। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ से मुलाकात की। मॉरीशस भारत के विज्ञान सागर में प्रमुख साझेदार हैं। दोनों नेताओं ने उत्साह के साथ भारत-मॉरीशस द्विपक्षीय संबंधों के महत्वपूर्ण विस्तार को रेखांकित किया। जगन्नाथ जी20 सम्मेलन में शामिल होने के लिए बृहस्पतिवार को यहां पहुंचे और नई

ब्रिटेन के पीएम सुनक का जय सियाराम उद्घोष से किया स्वागत

नई दिल्ली। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक का जी20 शिखर सम्मेलन में शिरका करने के लिए शुक्रवार को यहां पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने जय सियाराम के उद्घोष के साथ स्वागत किया। मंत्री के कार्यालय ने कहा बयान में कहा, चौबे ने सुनक को सूचित किया कि वह बरकरार से सांसद है, जो कि धार्मिक महत्व का एक प्राचीन शहर है और माना जाता है कि यह वह स्थान है जहां भगवान राम और उनके भाई लक्ष्मण ने महर्षि विश्वामित्र से शिवा दीक्षा ली थी। ब्रिटेन के भारतीय मूल के पहले प्रधानमंत्री सुनक ने अवसर अपनी हिंदू रिवाजों को उल्लेख किया है और कहा है कि उन्हें इस पर गर्व है। बयान में कहा गया, सुनक ने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गाथा को उल्लेख से सुना। बयान में कहा गया है कि मंत्री ने सुनक और उनकी पत्नी अरुता मूर्ति का भी भारत के दलाई लामा के साथ मुलाकात किया। अरुता मूर्ति इंग्लैंड के सह-संस्थापक एन. आर. नातराया मूर्ति की बेटी हैं। चौबे ने उनसे कहा, भारत आपके पूर्वजों की भूमि है। आपके आगमन पर हर कोई उत्साहित है। बयान में कहा गया है कि मंत्री ने सुनक को रमाश, गंगवदगीता और हनुमान चालीसा उपहार से दी।



रोशनी से नहाया भारत मंडप, पैरापट्रि-जी-20 का झंडा लहराता हुआ

दिल्ली हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री मोदी अगले तीन दिन में 15 द्विपक्षीय बैठकें कर सकते हैं। मोदी शनिवार को ब्रिटेन, जापान, जर्मनी और इटली के

मानसून के दौरान खाए जाने वाले व्यंजन परोसे जाएंगे

भाषा। नई दिल्ली

जी20 शिखर सम्मेलन स्थल पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की ओर से राष्ट्राध्यक्षों और अन्य प्रतिनिधियों के लिए शनिवार को आयोजित किए जाने वाले रात्रिभोज से जुड़े विशेष व्यंजन की सूची तैयार की गई है। इस रात्रिभोज के लिए तैयार की गई व्यंजन सूची में ऐसे व्यंजन शामिल किए गए हैं जो भारत में मानसून के दौरान खाए जाते हैं। तैयारियां चल रही हैं और एक लकड़ी होटल समूह के वरिष्ठ प्रबंधक और कर्मचारी भारत मंडप में रात्रिभोज की व्यवस्था करने में व्यस्त हैं, जहां दो दिवसीय शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि औपचारिक रात्रिभोज इस अवसर के लिए विशेष रूप से बनाए गए चांदी के विशेष बर्तन में परोसा जाएगा। एक आतिथ्य सक्कर समूह के एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा को बताया, भारत में इस (मानसून) मौसम के दौरान खाए जाने वाले व्यंजनों को ध्यान में रखते हुए हमने एक विशेष व्यंजन सूची तैयार की है। व्यंजन सूची में मोटा अनाज आधारित व्यंजन भी शामिल होंगे। हालांकि अधिकारियों ने व्यंजन सूची में शामिल व्यंजनों की सटीक जानकारी नहीं दी, लेकिन उम्मीद है कि इसमें भारतीय पाक कला की विविधता प्रतिबिंबित होगी। शिखर सम्मेलन के पहले दिन की समाप्ति के बाद मुर्मु भारत मंडप में भव्य रात्रिभोज की मेजबानी करेंगी। एक अन्य सूत्र ने कहा कि व्यंजन सूची की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन राष्ट्राध्यक्षों को परोसे जाने वाले भारतीय व्यंजनों का स्वाद होगा जो उन्हें लंबे समय तक याद रहेगा। सूत्र ने कहा, विभिन्न प्रकार की मिठाइयों जैसे गुलाब जामुन, रसमलाई और जलेबी आदि परोसे जाने की योजना है। उन्होंने बताया कि भारतीय परोसे जाने वाले कर्मचारी एक विशेष पोशाक पहनेंगे। भारत सरकार की ओर से व्यंजन सूची पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

उपचुनाव : भाजपा के तीन, विपक्षी दलों के चार सीटों पर जीत, सपा ने घोसी सीट बरकरार रखी

भाषा। लखनऊ-अतरगला-गंजी-कोलकाता-देहरादून-तिरुवनंतपुरम



उत्तर प्रदेश, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल सहित कुल छह राज्यों की सात विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के परिणामों की शुक्रवार को हुई घोषणा के बाद भाजपा के हिस्से में तीन सीटें जबकि विपक्षी दलों के खते में चार सीटें आई हैं। वही समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश की घोसी सीट बचाने में कामयाब रही है। विपक्षी गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्वेल्यूसिव अलायंस) में शामिल कांग्रेस, झामुमो (झारखंड मुक्ति झारखंड की इमरी विधानसभा सीटों पर जीत का स्वाद चखा। इंडिया ने इन सीटों पर क्रमशः सपा और झामुमो का समर्थन किया था। भाजपा ने

ज्ञानवापी सर्वेक्षण कार्य पूरा करने के लिए एएसआई के आठ सप्ताह का अतिरिक्त समय

भाषा। वाराणसी (उप्र)

वाराणसी की अदालत ने किया फैसला

यादव ने बताया कि अदालत ने सील वजुखाने को छोड़कर ज्ञानवापी परिसर का सर्वेक्षण करने और उसकी रिपोर्ट जमा करने के लिए चार सितंबर तक का समय दिया था। उन्होंने बताया कि चार सितंबर तक सर्वेक्षण का काम पूरा नहीं होने पर भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग के अधिकृतता के सर्वेक्षण के कार्य को पूरा करने और रिपोर्ट अदालत में जमा करने के लिए और आठ सप्ताह देने का अनुरोध किया था, जिस पर मुस्लिम पक्ष ने पिछली सुनवाई के दौरान अपनी आपत्ति प्रस्तुत की थी। मुस्लिम पक्ष ने अपनी आपत्ति में कहा था कि अदालत ने ज्ञानवापी परिसर का वैज्ञानिक तरीके से सर्वेक्षण कराने का आदेश दिया था। एएसआई की टीम मलबा या कचरा हटकर परिसर का

सीडिया एक्सपो 14 से नई दिल्ली।

वे देवकों से अधिक की सफल विरासत द्वारा समर्पित, नीडिया एक्सपो 2023 विचारशील रचनात्मक अवसर।आओ का समर्थन करने के लिए समाधान प्रदर्शित करेंगे। 14 से 16 सितंबर 2023 तक इंडिया एक्सपो 14, गेट नौएडा में आयोजित होने वाले 10,000 वर्ग मीटर के शो पंचेर में 150+ प्रदर्शक 200 ब्रांडों के 500 उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे जो उद्योग में महत्व प्राप्त कर रहे हैं। नीडिया एक्सपो 2023 का आगामी 51 वां संस्करण प्रिंटिंग, उद्योग सेवाओं और नीडिया, फिब्रिकेशन टेक्नोलॉजी, सॉल्यूशन और साइज सिस्टम, रिटेल और ओवरऑल और अन्य क्षेत्रों से 150+ इच्छुकों को एक साथ लाएगा - विभिन्न प्रकार के विज्ञान और ब्रांडिंग समाधान प्रदर्शित करेंगे।

शानदार संगीत महोत्सव में जुटे लोग

मुंबई। शेयरटैट के व्युत्पन्न कार्निवेल में साल के सबसे बड़े संगीत में शामिल होने का अवसर आ गया है। भारत का पहला बंगाली सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म शेयरटैट एक शानदार संगीत महोत्सव (शेयरटैट व्युत्पन्न कार्निवेल) की तैयारी कर रहा है। इस कार्निवेल के दौरान युजर्स शेयरटैट पर सबसे ज्यादा बोली जाने वाली दस भाषाओं में संगीत की लोकप्रिय धारा का पुनः आनंद उठाने का मौका होगा। इतना ही नहीं 8 सितंबर से लेकर 15 सितंबर तक चलने वाला यह सप्ताह भर का महोत्सव संगीत और रचनात्मकता को समर्पित है। कंटेन्ट स्ट्रॉला एवं ऑपरेशंस के वरिष्ठ निदेशक, रशाक शेखर ने कहा, "संगीत वह ताकत है, जो विभिन्न संस्कृतियों और पहिड़ियों के लोगों को जोड़ती है और अपने लेटफॉर्म पर संगीत, रचनात्मकता और सामुदायिकता का उत्सव एक साथ मनाना चाहते हैं।

रेडबस हिंदी को देगा बढ़ावा

चेन्नई। दुनिया के अगामी ऑनलाइन बस टिकटिंग प्लेटफॉर्म, रेडबस, ने एक महत्त्वपूर्ण नए फीचर की घोषणा की है जो यात्रियों को हार्दकपत्र चाहिए। द्रविड़ मुनेत्र कवाम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टांलिन ने आरोप लगाया, भारत की एकता, विविधता एवं धर्मनिरपेक्षता पर खतरा है तथा सामाजिक न्याय को नष्ट करने की कोशिश की जा रही है। उसके माध्यम से वे (भाजपा वाले) भारत को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं। हम इसका जवरदस्त विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग द्रविड़ शब्द के उल्लेख मात्र से चिढ़ जाते हैं। उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु और केरल के लोग एक ही द्रविड़ परिवार से हैं। उन्होंने इन दोनों राज्यों के लोगों से भारत की रक्षा के लिए डबल बैरल वाली लंबी दृष्टि की तरह काम करने की अपील की। स्टांलिन ने कहा कि मीडिया को देश की सुरक्षा करने में योगदान करना चाहिए क्योंकि देश का लोकतंत्र तभी बचेगा जब मीडिया स्वतंत्र बना रहेगा। उन्होंने यहां चेटपेट में केरल मीडिया अकादमी और मलयाली एसोसिएशन ऑफ चेंनई की बैठक का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में कहा, मीडिया ने जिस तरह किसी दुष्प्रचार को महत्व दिए बिना या भ्रम का शिकार हुए बिना स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान काम किया था, उसे उसी तरह अब भी काम करना चाहिए।

